परमेश्वर के साथ परामर्श करना

धन्यवाद, भाई ओरमन। बहुत–बहुत धन्यवाद। तो ठीक है, हम आज सुबह फिर से भवन में वापस आकर खुश हैं। जरा सी—सी खरखराहट है; इस सप्ताह हमारे पास ऐसा शानदार समय था। यह मेरे लिए आशीषो का महान सप्ताह रहा। आप जो बहुत से यहां पर है, मैं निश्चित हूं कि आपके लिए भी रहा है। बहुत सो ने पवित्र आत्मा प्राप्त किया। हमारी इस सभा का यही उद्देश्य था। यहां पर लोगों को सामने के लिए—के लिए अधिक स्थान नहीं था, इसी कारण हम ने बाहर इसका विज्ञापन नहीं किया। समझे? हमने केवल... एक रात्रि के बाद दूसरी रात्रि, लोग चले गए, यह हमारे स्थानीय लोग थे। और हमने केवल इसका उल्लेख यहां अपने ही लोगों में किया था।

2 और अभी चंदा देने के बारे में टोकरियो के लिए, यह हमारे स्थानीय लोगों के लिए है। कैसे... यह हमारी कलीसिया की बात है। यह हमारा नियमित सन्डे स्कूल है। समझे? और वे... ठीक है, यदि कोई इस मामले में सहायता करना चाहता है, हम—हम निश्चित रूप से इसे गरीब के पास ले जाएंगे। नगर में हमारे पास परिवार है, जिनके पास कुछ नहीं है, बड़े दिन के लिए कुछ नहीं होगा। वे इस कलीसिया पर निर्भर कर रहे है। और इसलिए इस प्रकार से, क्यों, यह—यह इस उद्देश्य के लिए जाएगा। डीकनो में से एक, उन्हें बता देगा कि यह किसलिए है, या पीछे मेरी बहन इसे लेगी।

3 अब, मैंने सुना है कि आज इस प्रातः बपतिस्मे की सभा हो चुकी है। इससे पहले उन्होंने मुझे हरा दिया है, क्या नहीं? ठीक है, फिर आज रात्रि हम एक और लेंगे, इसलिए, फिर उनमें से दो लेंगे। इसलिए हम समझते है... या, आज रात्रि सभा के पश्चात कम से कम तालाब को हम एक दम से भर दे, और वहां बपतिस्मे की सभा होगी।

4 और उन्होंने कहा कि, उन में से कुछ को बपतिस्मा लेना है। इसलिए कुछ मिनटों पहले बिली दौड़ा, और मुझे बताया, कहा, "एकदम से मत आओ, क्योंकि पहले भाई नेविल को बपतिस्मे देने है।" और कहा, "वहां

पर बहुत से लोग है, जिन्हें सीधे वहां से जाना है। और वे इस बात में निश्चित नहीं थे कि हम आज प्रातः बपतिस्मे की सभा करने जा रहे है।"

5 स्मरण रहे, यह तालाब हमेशा खुला है। हमेशा, किसी भी समय, दिन–रात किसी भी घड़ी, बपतिस्मे के लिए तैयार है। दूसरे सेवक यहां आकर तालाब को बपतिस्मे के लिए प्रयोग करते है, इससे हम बहुत प्रसन्न है।

6 यहां कुछ समय पहले, पार्क मैथोडिस्ट कलीसिया में, वहां एक—एक सभा में प्रचार सभा करने के लिए था। और प्रिय भाई ने कहा कि, "उस दिन मैं वहां भाई ब्रंहम के वहां उसे प्रयोग करने के लिए था कि—कि... " कहा, "आप उस चीज को क्या कहते हैं? "

7 मैंने कहा, "एक मैथोडिस्ट के लिए, 'बपतिस्मा कक्ष'" कहना कठिन होगा। वहां उनके पास एक छोटा कटोरा था, आप जानते है, कि वे छिड़काव करते हैं, एक छोटी सी चीज वहां रखी थी। मैंने कहा, "एक मैथोडिस्ट के लिए यह शब्द बहुत कठिन है कि, 'बपतिस्मा कक्ष,'" कहे, मैंने कहा।

8 उसने कहा, "उसमें से एक हम यह आस–पास चाहते है। मैं इस प्रकार की चीज में विश्वास करता हूं।"

9 इसलिए, स्मरण रखें, मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, कोई भी जो इसका प्रयोग करना चाहे, यह यहां है। यह खुला है, पानी मुफ्त है।

10 और हमारे पास एक छोटी सी छड़ है, छोटी सी पानी गर्म करने की छड़, हम उसमें डालते हैं कि गर्म करने का यत्न करें। मैं आपको बता रहा हूं, वह इसे गर्म नहीं करना। मैंने अपने जीवन में कभी जो सबसे ठंडा पानी अनुभव किया यह वह था। और मैंने बहुत बार बपतिस्मे दिए है, जहां पर मैंने अपने पैर से बर्फ किनारे की ओर मुंडेर पर लात मार फैकी, *इस* तरह से कि उन्हें बपतिस्मे दू। और तब घर चला गया, वहां जाने का यत्न करता जहां मुझे ठहरना होता था। और अपने कपड़े बदले और चलते हुए मेरे कपड़े मुझ पर जम जाते थे। मैं कठिनाई से कदमों को आगे बढ़ाता था मेरी पेन्टो के पायेचे कड़े हो जाते थे कि कदमों को बढ़ाऊं। और वह भी इतना ठंडा नहीं होता था। जैसा कि यह है यह मैंने अपने जीवन में इतना ठंडा पानी कभी नहीं देखा। मैंने ऐसा इतना ठंडा पानी कभी नहीं देखा।

11 भाई कैली, इसने मुझे इतना जमा दिया कि मर जाऊँ, मैं हर बार इसमें जाता हूं। और इसलिए बाद में... [बहन कैली कहती है, "यदि आप अच्छा अनुभव कर रहे हैं, यह नहीं है।"—सम्पा।] यह ठीक है। जब आप अच्छा

अनुभव कर रहे होते है, तो यह नहीं होता। बहन कैली कहती है, "जब आप अच्छा अनुभव कर रहे होते है, तो यह नहीं होता।"

12 हम लोगों के इस आनंदित झुंड के लिए प्रसन्न है, सब विभिन्न प्रकार के, नामधारी मिल जुल गए है। यह केवल परमेश्वर के बालक एक साथ जमा है। यहां पर जो लोग मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, नाजरीन, पिलग्रिम, होलीनेस, कैथोलिक, यहोवा विटनेस, क्रिश्चन साइंस, पेंटीकोस्टल, हर चीज के लोग, एक साथ जमा है।

13 [कोई कहता है, "यहां तक कि यहूदी भी।"—सम्पा।] यहूदी भी। इसके लिए प्रभु की महिमा हो। धन्यवाद। हम यहूदी के लिए बहुत प्रसन्न है। जी हां, श्रीमान। यदि यह—यदि यह यहूदियों के लिए नहीं होता, तो मैं नहीं जानता कि हम कहां होते। यह ठीक बात है। अब, यह बहुत अच्छा है।

14 स्वर्ग भी ठीक इसी प्रकार से होने जा रहे हैं, क्योंकि स्वर्ग सब को एकत्र करने जा रहा है सारे विभिन्न नामधारियों को। और यही कारण है कि हम स्वर्गीय स्थानों पर एक साथ बैठे है।

15 अब, डॉक्, यह एक छोटा सा मनोविज्ञान था। मैं जानता हूं कि यह था वह... मैं इसके इतना निकट नही था। आज प्रातः थोड़ा सा गला खर खरा रहा था यह दूसरे गेयर में आ जाएगा थोड़ी देर बाद, और आरंभ हो जाएगा, आप जानते है, जब मैं आरंभ हो जाता हूं, मैं विश्वास करता हूं।

16 अब, पिछली रात्रि मेरे पास कुछ प्रश्न आए है, जो कि इस सभा से सम्बन्धित है। यदि प्रभु ने चाहा तो, आज रात्रि मैं इनका जल्द ही उत्तर दूंगा, इसके पहले कि हमारी ये—ये नियमित आज रात्रि की प्रचार सभा समाप्त हो। और इसलिए—इसलिए आज रात्रि अवश्य आएं, यदि आप आ सकते है। और यदि प्रभु ने चाहा तो, मैं एक जोरदार विषय पर प्रचार करना चाहता हूं, इस बेदारी की समाप्ति पर आज रात्रि, जहां तक हम जानते है, जब तक पवित्र आत्मा आगे अगुवाई ना करें।

17 यह ठीक है कि आप में से बहुत सो को आज अपने घरों पर वापस जाना होगा, या इस सभा के पश्चात संभव है, इस प्रातः। हम यह कहना चाहते है, कि हम आपकी बहुत–बहुत सराहना करना चाहते है। और हम आपको क्रिसमस और नए वर्ष की शुभकामनाएं देना चाहते है। परमेश्वर आपके साथ हो और आपको नई चीजें दे, अधिक से अधिक नया जीवन

जो आप ढूंढ रहे हैं और जिसके भूखे है। मैं स्वयं भी यही कर रहा हूं, परमेश्वर की अधिकाई के लिए भूखा हूं।

18 यहां और बहुत से प्रश्न है। वहां... कुछ मुझे तब ही कमरे पर मिले, उन्होंने मुझे दिए। कुछ प्रश्न पिछली रात्रि कुछ भाइयों ने मेरे पुत्र को दिए। और मुझे उन्हें लेने का अवसर ही ना मिला, क्योंकि मैंने उन्हें अपनी जेब में डाल दिया, और बहुत देर हो गई थी।

19 और उनमें से कुछ फिर पीछे मत्ती–... याने इब्रानी 6:4 से संबंधित थे। बहन मेमी ने अभी कुछ मिनटों पहले यह कहा, कि वह इस को पाकर बहुत आनंदित थी, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले यही प्रश्न पूछा था। यह बहुत ही, ध्यान आकर्षित करने वाली बात है। परन्तु मैं निश्चित हूं कि आप सब लोगों को यह समझ आ गया होगा कि यह क्या था। मुझे आशा है कि आप समझ गए। यह एक मसीही नहीं है जो आत्मा से भरा है।

20 अब यदि आप इब्रानी 10 में जाएंगे, तो आप देखेंगे कि जो उसने वहां कहा है, वह वहां उससे भिन्न है, जो वह एक मसीह के लिए, क्षमा ना होने वाले पाप की बात कर रहा है, यह भरे हुए व्यक्ति के लिए है, परंतु यह व्यक्ति है जो किनारे का विश्वासी है जिसने अभी हाल ही में चखा है।

21 हमारे पास ये सब कलीसियाओ में है। कलीसिया में आते है, और, ओह, वे जो प्रभु करता है उसकी सराहना करते है, परंतु वे इसमें कभी नहीं आते। वे किसी को देख सराहना करते है, परंतु कभी भी प्रयत्न नहीं करते कि बाहर जा कर बीमारों के लिए प्रार्थना करें, और अस्पतालों में जाए या कुछ ऐसा करें, जो ठीक हो, देखिए इसी प्रकार से। आपने इस प्रकार के लोग देखे है। इन्होंने चखा है। इन्होंने देखा है। जैसे कि मैंने कहा कैन का, केनियो का, या...

22 वे इस्राएली जब वे कनान के पास पहुंच रहे थे, वे लगभग अंदर पहुंच गए थे। वे इतनी दूर पहुंच गए थे, कि उस देश के फलों को चख लें, परंतु उन्होंने कहा, "ओह, हम—हम इस योग्य नहीं है। हम—हम इसे नहीं कर सकते।" परंतु यहोशू और कालेब जानते थे कि वे इसे कर सकते थे, क्योंकि उनके पास परमेश्वर की प्रतिज्ञा थी।

23 और इसी विषय में पौलुस बोलने का यत्न कर रहा था, जो इसके समीप आए थे उन्हें पीछे का संदर्भ दे रहा है, बहुत ही समीप, परन्तु वे स्वयं इस पर अपने हाथ नहीं डालेंगे। वे कहते है, "ओह, मैं—मैं कलीसिया

में जाता हूं, उन कलीसियाओं में। मैं—मैं होलीनेस कलीसिया में जाता हूं, पेंटीकोस्टल कलीसिया में। मैं *इस* में जाता हूं।"

"परंतु क्या तुमने जब से विश्वास किया है पवित्र आत्मा पाया? "

"ओह, नहीं। मैंने अभी तक यह नहीं किया।" देखा? आप यही है।

24 परंतु वास्तविक विश्वासी जब तक वह इसमें नहीं आ जाएगा। वह चैन से नहीं रहेगा उसे तो इसे जाकर पानी ही है। समझे?

25 अब इस प्रकार के एक—एक किनारे के विश्वासी, यही वह व्यक्ति है कि जिसके विषय में पौलुस बोल रहा है।

26 जो भी है, अब, इस प्रातः यह नियमित सुसमाचार की सभा है इस प्रातः के लिए, प्रभु ने चाहा, मुझे पर्याप्त आवाज दी है।

27 इसलिए मैं सोचता हूं कि यह घोषणाये है। मैं निश्चित नहीं हूं, परन्तु मैं सोचता हूं, यह है, जहां तक मैं जानता हूं। और भाई नेविल बाकी सब कर दी है।

28 मैं चाहता हूं कि आप सब जान ले, यदि आप कभी इस मार्ग से निकले... आप अब जिन्हें घर जाना है, और सांझ की सभा के लिए नहीं रुक सकते, मैं चाहता हूं कि आप जान ले। यदि आप किसी भी समय कभी यहां हो, मेरी इच्छा है कि ऐसा हो, आप आए और हमारे पास्टर नेविल को सुनें। हमारे पास इस आराधनालय में एक सच्चा पास्टर है, भाई ओरमन नेविल। मैं यह इसलिए नहीं कर रहा हूं क्योंकि यह यहां पर बैठे है। मैं इन्हें वर्षों से जानता हूं। और यह कभी नहीं बदले जरा भी नहीं। यह अब भी ओरमन नेविल है, प्रभु का एक दास। आप उन पर निर्भर हो सकते है। एक विश्वास योग्य ईमानदार, एक शानदार प्रचारक। मैं वहां पीछे बैठता हूं...

29 और मैंने समस्त संसार में, प्रचारकों को सुना है। परंतु कभी–कभी यह ऐसी बातें प्रचार करते हैं जो मुझे आश्चर्य चकित करती है, मैं आपको बताता हूं, कि आपको दूर उन छोटी बातों में—में ले जाते है जो वह प्रयोग करते है। मैं आपको बताता हूं, हर बार जब मैं आता हूं... तो उनके उपदेश में से लगभग पंद्रह विषय वाक्य लेता हूं, जब मैं आकर—मैं आकर, इसे लिखता हूं। घर जाकर, "ओह, प्रभु, क्या यह एक संदेश नहीं बनाएगा! ओह, प्रभु, क्या यह एक संदेश नहीं बनाएगा!" और इसे लिख लेता हूं।

30 इसलिए आकर हमारे भाई नेविल को सुने, और हमारे लोगों से मिले। यह निर्धन लोग हैं, वास्तव में निर्धन। परंतु ये प्रभु से प्रेम करते है, और ये आपसे प्रेम करेंगे। और इसलिए हम प्रसन्न हैं कि आप हमारे साथ हैं और प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर आपको आशीष देगा।

31 अब आइये एक क्षण के लिए अपने सिरों को वचन में जाने से पहले झुकाए।

32 अनुग्रहकारी प्रभु, हम अब उतनी ही श्रद्धा से आते है जैसे कि हम जानते हैं कि कैसे आए। हम विश्वास करते हुए यीशु मसीह के नाम में आते हैं कि आपने हमसे प्रतिज्ञा की है, उसके द्वारा, कि हम उसके नाम से कुछ भी मांगेंगे आप सुनेंगे। और परमेश्वर हम प्रार्थना करते हैं कि आज प्रातः हम इसे हमारी भेंट बना देंगे।

33 हम ह्रदय की गहराई से आपको धन्यवाद देना चाहते हैं, उसके लिए जो आपने पिछले सप्ताह हमारे लिए किया। बहुत से शोकित ह्रदय आनन्दित हो गए। बहुत सारे लोग आनंदित हो गए। और बहुत से जो उलझन में थे, वचन में, अब चिल्ला रहे हैं, जय जो यीशु मसीह के द्वारा है। इन बातों के लिए हम आप का धन्यवाद करते है।

34 और प्रभु, हम प्रार्थना करते है, कि आज दूसरी बार होगा कि आप अपने लोगों से भेंट करें। और हम यहां पर एकत्र हैं, उन सब विभिन्न प्रकारों में से, मैं कहूंगा नामधारी कलीसिया में से। कुछ विभिन्न विश्वासों में से, हो सकता है वचन में मित्रभाव से सहमत ना हो, परंतु कोई भी किसी प्रकार की रुकावट नहीं है, यहां तक कि यहूदी बहन को भी जिसने अपना हाथ उठाया है। हम स्वर्गीय स्थानों में मसीह यीशु में एकत्र है।

35 आज हम प्रार्थना करते है कि आपका आत्मा फिर से ताजगी में हम पर उंडेला जाएगा। प्रभु इस प्रात: हमे नया बपतिस्मा दे, या एक नए सिरे से भरे। और हम मांगते हैं कि आप रोगियों, दुखियों को चंगा करेंगे, वे जो आवश्यकता में है। यहां यह व्यक्ति पहिये वाली कुर्सी में बैठा है, दूसरे बाहर है, संभव है ह्रदय रोग के साथ, कुछ कैंसर के साथ। प्रभु, वे लोग मर रहे है। और हमारे देश के मूल्यवान डॉक्टरों ने उनके मामलों का रोग निदान किया है। और जितनी गहराई में जा सकते थे गए और हो सकता है ऑपरेशन से, और तब भी वह शैतान उन्हें पकड़े हुए है। वह उनके जीवन को लेने पर ठना हुआ है। और वह... वे कहीं और से अपने चाकू से काटेंगे और वे

कोमल हाथ, उनकी सहायता करने का यत्न करते है, परंतु वह प्रेत आत्मा दूसरे छोटे कोने में भाग जाती है और फिर तोड़ फोड़ मचाती है। क्योंकि वह डॉक्टर से छिपने की क्षमता रखता है। परंतु, परमेश्वर, वह आप से नहीं छिप सकता। आप जानते है कि वह ठीक किस स्थान में है। और आप के विश्वास के वचन और सामर्थ से उसे हटना होगा। और हम आज तुझसे प्रार्थना करते है, परमेश्वर कि आप हर दुष्ट चीज को लोगों से अलग कर देंगे ताकि वे स्वस्थ, और हमारे प्रभु परमेश्वर की आशीषो में आनंदित हो सके। क्योंकि हम यह यीशु के नाम में मांगते है। आमीन।

36 अब, यहां पर बहुत सारे रुमाल रखे है। और हम उन पर प्रार्थना करेंगे। और यदि यहां आपके पास नहीं है और आप एक चाहते हैं, तो ठीक है, आप केवल हमें इस तीन सौ पच्चीस पोस्ट बॉक्स पर लिखे, और हम तुरंत ये आपको भेज देंगे। यह इब्रानियों की पुस्तक प्रेरितो की पुस्तक के—के 19 वे अध्याय में पाया जाता है, जहां हम रूमाल या कपड़े लोगों से लेकर, उन पर प्रार्थना करते है।

37 आइये हम आज प्रातः हम वचन में यशायाह की पुस्तक उसका 1ला अध्याय निकालेंगे। यशायाह 1, जबकि हम वचन का एक भाग पढ़ते है।

38 और जब कि हम हमारे साथ पढ़ने के लिए, इसे निकाल रहे है, हम होने वाली चंगाई सभा के विषय में कुछ बोलना चाहते है।

39 अब, हम यह कहने का यत्न नहीं कर रहे हैं कि यहां हम पहले स्थान पर दिव्य चंगाई हम करते हैं, क्योंकि दिव्य चंगाई छोटा है। और आप बड़े छोटे पर नहीं रख सकते। परंतु हम यीशु मसीह की सेवकाई में विश्वास करते हैं, उसमें छ्यासी प्रतिशत दिव्य चंगाई थी। और लोगों को ध्यान दिव्य चंगाई से पकड़ कर इस अनुभव को लाया गया कि वह परमेश्वर था। और वे...

40 उसने कहा, "यदि तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते, कि मैं वो हूं तो उन कामों का विश्वास करो जो मैं करता हूं। यदि मैं अपने पिता के कार्य नहीं करता हूं, तो मेरा विश्वास मत करो। परन्तु यदि मैं अपने पिता के कार्य को करता हूं तो तुम मुझ पर विश्वास नहीं कर सकते, तो फिर कामों का विश्वास करो।"

41 देखिए, एक मनुष्य होकर, वह स्वयं को परमेश्वर बनाता है। क्रूस पर, या, ठीक क्रूस के पहले उन्होंने उससे कहा, "हम तुझे भले कामों के

लिए पत्थरवाह नहीं करते जो तूने किए। परंतु हम तुझे इसलिए पत्थरवाह करते हैं क्योंकि तू एक मनुष्य है, और स्वयं को परमेश्वर बनाता है।" वह परमेश्वर था। वह था। परमेश्वर उसमें था। और इसलिए, उसने कहा, "यदि तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते, तो मेरे कार्यों का जो मैं करता हूं विश्वास करो।" समझे? "केवल कार्यों का विश्वास करो, कि वे परमेश्वर की ओर से है।"

42 अच्छा अब, वही बात आज है। पृथ्वी पर कोई मनुष्य परमेश्वर नहीं है। निश्चय ही नहीं। हम सब मनुष्य है प्रत्येक पाप में जन्मा, अधर्म में पले संसार में झूठ बोलते हुए आये। परंतु जैसे हमने इस सप्ताह में स्पष्ट रूप से देखा, यह दर्शाया कि परमेश्वर एक समय अपनी सृष्टी के *ऊपर* रहा, पाप के कारण। फिर वह अपनी सृष्टी के *साथ* रहा, शरीर के रूप में, यीशु मसीह; अपना डेरा हमारे साथ, हमारे साथ वास किया, "देहधारी," हमारे पाप से पीड़ित होने को और दर्द, घोर व्यथा, और वे बातें जो हम करते है। तब उसने एक कलीसिया को पवित्र किया ताकी वह उस *में* रह सके। इसलिए वह परमेश्वर हमारे ऊपर था; परमेश्वर हमारे संग; परमेश्वर हम में।

43 यीशु ने कहा, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं, और पिता मुझ में; और मैं तुम में, और तुम मुझ में।" और आप वहां देखते हैं, यह परमेश्वर हैं जो कार्य कर रहा है। इसलिए, जब एक व्यक्ति संपूर्ण रूप से स्वयं को पवित्र आत्मा को देता है, और बोलता है, तो यह मनुष्य नहीं बोल रहा है।

44 मैं यह अनुभवों से जानता हूं। ओह! मसीह के साथ मेरा छोटा सा अनुभव, मैंने बहुत बार देखा है कि—कि वह मुझे स्वयं उसे समर्पित करने की अनुमति देता है, जब तक मैं यह ना जानू कि मैं क्या बोल रहा था। और मैं यह नहीं कहता, क्योंकि संसार में कोई भी नहीं है, परंतु उसने यह कहा।

45 वह महिला हेटी, पीछे बैठी है। उस दिन जब यह नई सेवकाई, जो कि मैं विश्वास करता हूं कि आज प्रातः आएगी। और आप सब ने इस विषय में सुना है। और जब हम बैठे थे... और वहां कम से कम आठ या दस अब यहां बैठे है, वहां उस समय उपस्थित थे। और जब पवित्र आत्मा उस स्त्री की ओर मुड़ा और उसे बताया कि वह जो भी चाहे मांगे, तो वह उसे दे दिया जाएगा। आप सोचते हैं कि वह मैंने कहा होगा? यदि मैं कर सकता होता,

तो मैं अभी फिर कहता। परंतु मैं वह नहीं कह सकता। और मैं थरथराया मैं इतना दुर्बल था। भाई बैंक्स वुड, वहां खड़े हैं, मेरे साथ अगले बैठे थे। और पसीना मेरे हाथों पर से बह रहा था, मैं इतना दुर्बल हो गया था जब तक उठकर मैंने घर नहीं छोड़ दिया। इसलिए मुझे इतना भयभीत कर दिया। परंतु महिला ने एक महानतम चीज मांगी जो कोई भी मांग सकता है, और पा सकता है। देखिए, वह परमेश्वर था। वह मनुष्य नहीं था। मनुष्य इन कार्यो को नहीं कर सकते।

यीशु ने पेड़ से कहा, "कोई भी मनुष्य तुझ में से नहीं खाएगा।"

46 और चेलों ने, अगले दिन... कितनी जल्दी, उसने तभी कार्य करना आरंभ कर दिया। अगले ही दिन वह सूखने लगा। और उन्होंने कहा, "देखो कितनी जल्दी पेड़ सूख गया।"

47 और उसने कहा, "परमेश्वर में विश्वास रखो। मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, यदि तुम... " यदि "मैं," नहीं परंतु यदि "तुम।" "जो कोई भी इस पहाड़ से कहेगा, 'हट जा,' और सन्देह ना करें, परंतु विश्वास करें जो कुछ भी उन्होंने कहा घटित हो जाएगा, जो आपने कहा वही पा सकते है।"

48 यह परमेश्वर आप में है। समझे? परमेश्वर को छोड़ पहाड़ को कौन हटा सकता है? इस प्रकार की बातें कौन घटित कर सकता है सिवाये परमेश्वर के? इसलिए, आप देखिए, बिना किसी संदेह के परमेश्वर अपने लोगों में है। तब हमें चाहिए कि एक दूसरे का सम्मान करें। हमें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। जो भी हो, अपनी नामधारी सीमाओं से बढ़कर, हमें एक दूसरे से प्रेम करना चाहिए। कोई मतलब नहीं यदि हम एक दूसरे से सहमत नहीं हो सकते तो।

49 हो सकता है, चेले वे सहमत नहीं हो सके। वे जानना चाहते थे कौन सबसे बड़ा बनने जा रहा था, और बहुत सारी चीजे। यूहन्ना, मरकुस, और—और पौलुस, वहां थे, उनमें था... और पतरस और पौलुस आपस में सहमत ना थे। परंतु, प्रेम के बंधन, हम भी आज इसके लिए प्रयत्न कर रहे है, कि सारे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेसबीटेरियन, लूथरन, वे जो भी है, हम एक साथ मिलकर एक मसीही इकाई के समान है। अब हम आत्मा से भर जाने का यत्न कर रहे है कि परमेश्वर के अधिक समीप आ सके। यही दर्शन है।

50 अब क्या आपने यशायाह 1 निकाला? आइये 14वे पद से आरंभ करें। और मैं एक मूल पाठ लेने जा रहा हूं, प्रभु ने चाहा, तो 18वे पद से, अपना प्रसंग लूंगा।

तुम्हारे नये चांदो और नियत पर्वो के मानने से मैं जी से बैर रखता हूं: वे सब मुझे बोझ जान पड़ते है; मैं उनको सहते–सहते उकता गया हूँ।

और जब तुम *मेरी ओर हाथ फैलाओं, तब मैं तुम से मुख पर लूंगा;* तुम *कितनी भी प्रार्थना क्यों ना करो, तौभी मैं तुम्हारी ना सुनूगा: क्योंकि तुम्हारे हाथ खून से भरे है।*

अपने को धोकर पवित्र करो; मेरी आंखों के सामने से अपने बुरे कामों को दूर करो; भविष्य में बुराई करना छोड़ दो;

भलाई करना सीखो; यत्न से न्याय करो, उपद्रवी को सुधारो; अनाथ का न्याय चुकाओ, विधवाओ *का मुकद्दमा लड़ो।*

यहोवा कहता है, आओ हम आपस में वाद–विवाद करें: तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हो, तौभी वे हिम के सनाम... उजले हो जाएंगे; और चाहे अर्गवानी रंग के हो, तौभी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएंगे।

यदि तुम *आज्ञाकारी होकर मेरी मानो, तो इस देश के उत्तम से उत्तम पदार्थ खाओगे;*

और यदि तुम ना मानो और बलवा करो, तो तलवार से मारे जाओगे; यहोवा का यही वचन है।

51 आप जानते है, हाल ही में हमने सम्मेलनों के विषय में बहुत कुछ सुना है, लोग एकत्र हो रहे है। यही यहां पर परमेश्वर बोल रहा है, एक सम्मेलन अपने लोगों के साथ। "आओ, हम आपस में वाद–विवाद करें।" पिछले कुछ दिनों से हम यही कर रहे है। और राष्ट्र के विषय में बहुत कुछ है, और आज राष्ट्र के मामले, सम्मेलनों पर आधारित है।

52 यहां कुछ समय पहले, मैं इसे सरलता से स्मरण कर सकता हूं, और बहुत से लोग स्मरण कर सकते है, वे बड़े चार सम्मेलन। उन्होंने संसार के चार बड़े नेताओं को एकत्र किया शांति प्रिय संसार के और उनका सम्मेलन

हुआ। और इस सम्मेलन में इन्होंने इस बात का निर्णय लेने का यत्न किया कि करने के लिए सबसे अच्छा क्या होगा।

53 और तब हाल ही में जनेवा सम्मेलन हुआ, जहाँ पर, जनेवा में संसार के शांति प्रिय लोग एक साथ जमा हुए संसार की शांति के विषय में एक दूसरे से पूछने, और आपस में परामर्श के लिए। यह जनेवा सम्मेलन कहलाया था।

54 तब, यदि में गलती ना करूं तो कुछ समय पहले, अभी यहाँ, उनका एक—एक पेरिस में सम्मेलन हुआ। और समस्याओं के विषय में विचार विमर्श करने के लिए, पेरिस में जमा हुए और शांति लाने का यत्न किया।

55 और अब हमारे प्रिय राष्ट्रपति, डवीट आईजनआवर, स्वतंत्र संसार की यात्रा कर रहे है। इससे अखबार भरे पड़े है। और श्री आइजनआवर के रेडियो संसार के स्वतंत्र लोगों से बात कर रहे है, सम्मेलन के बाद सम्मेलन वह करने का—का यत्न कर रहे है। और... और वे अखबार में बताते हैं कि किस प्रकार से विभिन्न स्थानों में उनका—उनका स्वागत किया गया, और किस प्रकार से वे अमेरिकन गीत गाते हैं, या झंडे को ऊपर उठाते है, झंडा चढ़ाते हैं, जब वे आते है। और—और भिन्न लोग उन्हें उपहार आदि देते है। यह वह शांति प्रिय देशों के लोग है।

56 और मैं सोचता हूं कि हमें श्री आईजनआवर के लिए प्रार्थना करनी चाहिए, जबकि वे अपनी पूरी शक्ति लगा रहे हैं, इस राष्ट्र को बनाए रखने के लिए, जहां हम इस प्रकार की सभाएं कर सकते हैं, स्वतंत्र।

57 अमेरिका, अपने सारे पापों और अपनी सारी परेशानियों में, अब भी संसार का सबसे अच्छा अपने पास रखता है। मैं यह विश्वास करता हूं। और इसके होने के लिए परमेश्वर सहायता करता है, और सदा ऐसा ही रहेगा, क्योंकि हमारे कुछ प्रिय सिद्धांत है। कि, यह बूढ़ी पृथ्वी लहू में नहाई है, ताकि इन सिद्धांतों की रक्षा की जाये।

58 इसलिए मैं सोचता हूं हमें हर समय प्रार्थना करनी चाहिए कि परमेश्वर श्री आईजनआवर के साथ होगा, बूढ़े है और उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं है। और—और वह मनुष्य अपने सामाजिक प्रभाव में और भाषण दे रहे है, और अपना भरसक प्रयत्न कर रहे है। यदि यहां तक की आप उन से राजनीति में सहमत ना हो तो अब उनके लिए प्रार्थना करें। यह आपका राष्ट्र है जो कि दांव पर है।

59 सम्मेलन किसलिए किए जाते हैं? इस सम्मेलनों का क्या कारण है? कोई तो कारण होना चाहिए, या फिर ये सम्मेलन नहीं होने चाहिए। उन्हें एक निश्चित निर्णय पर आना ही है कि वे क्या करने जा रहे है। इसलिए सम्मेलन होते है, कि निर्णय लिए जाए। एक व्यक्ति एक स्थान में, और दूसरे स्थान में और भिन्न–भिन्न विचार, और छोटी–छोटी बातें *यहाँ* उठ खड़ी होती है, और *यहां* पर कुछ है, और *वहां* पीछे, उसके बाद उन्हें एक साथ जमा होना है और सम्मेलन करके, और तब निर्णय लेना है कि वे इस विषय में क्या करने जा रहे है। और इसलिए वे यह करते हैं।

60 और निर्णय लेने के पश्चात या सम्मेलन तय करना, उनके पास कोई निश्चित स्थान होना चाहिए कि इस सम्मेलन को करें। और यदि आप ध्यान देंगे, कि वे सदा ऐसे स्थान को खोजने का प्रयत्न करते हैं जो सुंदर हो। मैं जनेवा में रहा था, जहां पर जनेवा सम्मेलन था, पेरिस में था, और—और विभिन्न स्थलों में जहां पर सम्मेलन हुए थे। मैंने संयुक्त राष्ट्र के भवन को देखा। और, ओह, यह सुंदर है, विशेषकर जेनेवा में। और तब वहां, वे... मैं विश्वास करता हूं कि वे इन स्थानों को चुनते है ताकि वह आकर्षण... उसमें कुछ है, यदि यह शांतिमय और—और आकर्षक है, तो प्रतीत होता है कि यह मनुष्य के आत्मा पर प्रभाव डालता है। मैं विश्वास करता हूं कि यह सत्य है।

61 बहुत सी बार, मैं स्वयं, पहाड़ पर चढ़ता हूं, सूर्य अस्त को देखने के लिए या... रोमांचित होता हूं, तो ऐसा प्रतीत होता है कि मेरे सारे मतभेद समाप्त हो गए। एक स्थान, एक स्थान, एक चुना हुआ स्थान जहां यह सम्मेलन होने चाहिए। और तब वहां पर यह निर्णय लिए जाने चाहिए।

62 और तब दूसरा विचार जो आपको बताना चाहता हूं, वह यह सम्मेलन में, कि जब तक अति आवश्यक ना हो यह सम्मेलन नहीं होते। यह एक—एक कठिन समय में, जब यह सम्मेलन होते है।

63 चार बड़ी सभाओं के समय में, यह सम्मेलन थे क्योंकि दूसरा विश्व युद्ध लगभग हाथों से निकल रहा था। उन्हें एक साथ जमा होना ही था और अपनी सारी युद्ध योजना लगानी थी, और कुछ करना था; श्री चर्चिल, और रूजवेल्ट, और दूसरे। अपने अपनी सारी समझो को एक साथ मिलाकर, उसे खींचना चाहते थे कि मालूम करें क्या अच्छा से अच्छा क्या है, क्योंकि यह संकट कालिन क्षण था। यह वह समय था जब कि समस्त स्वतंत्र संसार

भस्म हो सकता था। और आज हिटलर, संसार का तानाशाह होता, तब हम यह सभा आज नहीं कर सकते थे।

64 इसलिए सम्मेलन हुए, और—और इसी कारण वे इन्हें चुने हुए स्थानों में करते है, और—और इसी कारण उन्हें यह करना होता है। और यदि... और हम परामर्श के लिए बाध्य है। इस प्रकार वे मिलते है। और उनके बड़े–बड़े सम्मेलन हुए। मेरे मस्तिष्क में कोई संदेह नहीं, और समय मुझे अनुमति नहीं देगा, कि मेरी आवाज, आगे बढ़ते हुए और उन कालों में निकलते हुए जो महान सम्मेलन उन समयों में हुए, मैंने इस विषय में पढा हुआ है, फिरौन के दिनों में, और आदि–आदि। परंतु, इस संसार के तंत्र का महान सम्मेलन हो चुका।

65 और, तब, परमेश्वर ने कुछ सम्मेलन किए तब परमेश्वर के विधान में। एक समय आया, परमेश्वर की महान व्याख्या में, जहां एक सम्मेलन होना ही था। और पहला वाला जिसे मैं इस पृथ्वी की कह सकता हूं वह अदन की वाटिका में थी। जब परमेश्वर के दूत रोते हुए घर आए कि, कहते हुए, "आपके बालक गिर गए। उसने पाप किया, और उसने आपकी आज्ञाओ का उल्लंघन किया है।" कुछ तो करना था। परमेश्वर की सृष्टि अनुग्रह से गिर गई, और अपने परमेश्वर की उपस्थिति से सदा के लिए अलग हो गए और अपने बनाने वाले से।

66 वह संकट कालीन समय था, स्वर्ग के राजा ने कहा, "जिस दिन तुम उसे खाओगे उसी दिन तुम मर जाओगे।" और अपने पुत्र में विश्वास रखते हुए, उसके पुत्र ने उसकी आज्ञा तोड़ दी। वहां कुछ तो करना ही था। वह उसकी अपनी सृष्टी थी। उसके अपने हाथों का कार्य था। यह उसके अपने ह्रदय का प्रेम था, उसकी आंख का तारा। कुछ तो किया जाना चाहिए। इसलिए सम्मेलन बुलाया जाना चाहिए।

67 परमेश्वर ने अदन वाटिका में एक निश्चित पेड़ को चुना। जब उसने लहू से लथपथ भेड़ की खाल को... झाड़ियों के पीछे की ओर फेंका, उसने आदम और हवा को बुलाया, और वहां उसने एक सम्मेलन किया, बातचीत की और इस भयानक चीज का समाधान निकाला जो उसके बालकों ने किया था, परमेश्वर का सम्मेलन।

68 और वहां एक निर्णय लिया गया। सम्मेलन में सदा, एक निर्णय लिया जाता है। और परमेश्वर ने एक निर्णय लिया, कि, क्योंकि उस हवा ने...

जब उसने उसे गवाहों के समक्ष पकड़ा, क्योंकि उसने संसार से जीवन लिया, उसे जगत में जीवन लाना था। और आदम को; और सर्प को और वास्तव में, वह उस जाति का पिता होने के नाते सारी जाति जो उसके अधीन थी, आदम के साथ गिर गई।

69 तब मैं एक और सम्मेलन को स्मरण कर सकता हूं, उस भागे हुए भविष्यवक्ता जो अपने निर्णयो में निर्बल हो गया था, और उसने सोचा कार्य बहुत बड़ा है। और वह भाग गया और एक स्त्री ब्याह ली, और वापस जंगल में चला गया, और वहां चालीस वर्ष रहा। एक भविष्यवक्ता परमेश्वर का अभिषिक्त एक बड़े प्राधिकार के साथ, एक भविष्यवक्ता होकर संसार में जन्मा। परंतु, फिर भी, अपनी गलती के भय से जो उसने की थी (बजाये परमेश्वर के निर्देश का पालन करने के अपने हाथों में ले लिया, उसने एक मनुष्य को मार डाला), और धमकी और फिरौन के भय से वह जंगल को भाग गया, और वहां चालीस वर्षों तक था।

70 और मिस्र के गुलाम, कार्य इतना महान था, उनकी पीठे इतनी जख्मी थी, उनके ह्रदय इतने टूट गए थे, जब तक कि उनकी चिल्लाहट परमेश्वर के सम्मुख नहीं पहुंच गई, तब उसे परामर्श के लिए बाध्य किया गया।

71 परामर्श के लिए बाध्य करने का एक मार्ग है। आप इसे अपने जीवन में कर सकते हैं, एक बल परीक्षा।

72 लोगों को बोझ, और चिल्लाहट इतनी भारी थी, यहां तक कि परमेश्वर को एक सम्मेलन के लिए बाध्य होना पड़ा। जब परमेश्वर निर्णय लेता है, उसे उसी प्रकार होना होता है। इसलिए वह संसार के रचने से पहले कर चुका, मनुष्य को मेमने की जीवन की पुस्तक में रख चुका है, अपने लोगों को छुड़ाने के उद्देश्य से। सारी बातें परमेश्वर द्वारा पूर्व नियोजित है। उस मनुष्य का नाम मूसा था, उसका दास। इसलिए, सृष्टी के रचने से पहले, मूसा लोगों के छुड़ाने के लिए चुना हुआ था।

और मूसा ने परमेश्वर को असफल कर दिया।

73 इससे हमें परामर्श और साहस मिलता है। हम जिन्होंने परमेश्वर को असफल कर दिया, हमारे पास अब भी आशायें है। हमने उसे कलीसिया रूप में असफल कर दिया। हमने लोगों के समान उसे असफल कर दिया। परंतु हम एक सम्मेलन करें, इस मामले पर उससे बातें करें, देखे वह हमें क्या बताता है, देखें इस पर क्या निर्णय लिया जाएगा।

74 और परमेश्वर का जन असफल हो गया था, और परमेश्वर को एक सम्मेलन बुलाना पड़ा। वह किसी और का प्रयोग नहीं कर सकता था। उसने मूसा को चुना था। इसलिए वह एक सूनसान स्थान में चला जाता है, कहीं सीने के आसपास रेगिस्तान में। और उसने एक पूर्णता की चोटी और झाड़ी को चुना, एक निश्चित साथ। उसने सोचा, "मैं मूसा को यहां पर लाऊंगा। यह स्थान अच्छा रहेगा, उसकी भेड़ों से अलग, अपनी पत्नी से अलग, अपने बालकों से अलग, सब लोगों से अलग। और मैं उसके साथ सम्मेलन करूंगा।"

75 वहां जब वह भविष्यवक्ता से बोला, तब वे अपने अंत में उद्देश्य पर पहुंच गए। "मैंने अपने लोगों को चिल्लाना सुना है। इसलिए मूसा मैंने तुझे बुलाया है। मैंने वहां नीचे अपने लोगों की चिल्लाहट को सुना है, और मुझे चेत आता है कि मैंने एक प्रतिज्ञा की है, जो मुझे पूरी करनी है। अब मैं तुझे वहां भेजता हूं।"

76 मूसा उसके—उसके वचनों को परमेश्वर का समर्थन था। वह एक मनुष्य था। उसने कहा, "परंतु मैं कौन हूं? मैं—मैं बात नहीं कर सकता।"

77 और तब इस—इस सम्मेलन में, परमेश्वर ने मूसा से कहा, "किसने मनुष्य के मुख को बनाया? किसने मनुष्य को जुबान दी कि बात करें? किसने बहरा बनाया? किसने गूंगा बनाया? "

और मूसा ने फिर भी शिकायत की। वह परमेश्वर की महिमा को देखना चाहता था।

78 और उसने कहा, "मूसा यदि तू यह जानना चाहता है कि मैं कौन हूं, मैं आश्चर्य कर्म करने वाला परमेश्वर हूं। अपनी छड़ी को भूमी पर डाल।" और वह सांप में बदल गई। तब उसने कहा, "अपना हाथ अपनी छाती पर रख।" और उसे बाहर निकाल, और वह कोढ़ी था। जब उसने उसे फिर से डाला और बाहर निकाला, वह चंगा हो गया था। कहा, "तू जानता है कि मैं कौन हूं, मूसा? मैं परमेश्वर हूं जो आश्चर्य कर्म करता है। मैं परमेश्वर हूं जो बीमारों को और दुखियों को चंगा करता है। मैं यहोवा परमेश्वर हूं।

79 मूसा ने कहा, "मैं तेरी महिमा को देखता हूं। एक और बात मैं जानना चाहता हूं, इससे पहले कि यह सम्मेलन समाप्त हो। मैं फिरौन को क्या बताऊं कि किसने मुझे भेजा है? "

उसने कहा, "उसे बताना कि 'मैं हूं' ने तुझे भेजा है।"

80 ना कि "मैं था," या "मैं होऊंगा।" परंतु सदा उपस्थित, "कल, आज, और सर्वदा एक सा है।" "मैं हूं," हूं अब वर्तमान काल है। यह भविष्य को और—और भूतकाल को वर्तमान उपस्थित करता है, "मैं हूं।"

"मैं हूं ने मुझे भेजा है।"

81 मूसा ने अपनी आज्ञा प्राप्त की और मिस्र को चला गया। बाहर आते हुए, बालकों ला रहा था, एक समय आया, तब, जब वे घिर गए थे। एक लोग, एक बुलाए गये लोग, बाकी संसार से अलग किये गये लोग! इस्राएली परमेश्वर के लोग थे, जब तक वे मिस्र में थे। जब एक बार वे मिस्र से बाहर हुये तो वे परमेश्वर की कलीसिया थे। शब्द "बाहर बुलाये हुये" या, *कलीसिया* का अर्थ "बुलाये गये" है। इसलिए वे संसार में से बाहर बुलाये हुये थे, और वे कलीसिया है।

82 इसलिए यही है, आज प्रातः वे जो संसार में से बुलाये गये है, इस से कोई मतलब नहीं कि उन पर कौन से नामधारी कलीसिया का नाम लगा है। यदि वे बुलाये गये, और उसमें से अलग किये हुये है, और वे उसकी महान कलीसिया के सदस्य है।

83 इसलिए इन लोगों के मेमने के लहू के चढ़ाने के द्वारा स्वयं को अलग किया, और अपने दरवाजे की अलंगो पर वो—वो लहू लगाने के द्वारा। और वह जूफा के द्वारा लगाया गया तह।

84 देखिए। मैं चाहता हूं कि आप यहां पर कुछ ध्यान दें। यह बहुत ही आकर्षित करने वाली बात है। मूसा ने आज्ञा दी कि वे जूफा ले, और उसे मेमने के लहू में डूबाये और इसे दरवाजे पर पोते। लहू, सही में, मसीह के लहू को दर्शाता है। जूफा साधारण घास थी। आप इसे कहीं भी पा सकते हैं, केवल मुट्ठी भर घास ले।

85 यह दर्शाता है कि लहू लगाना बहुत ही सरल है। घास विश्वास को दर्शाती है, केवल परमेश्वर में विश्वास। आपको कहीं जाना नहीं है। केवल परमेश्वर का विश्वास ले और लहू को अपने हृदय पर लगाये। कहिये, "मैं संसार की वस्तुओं से अलग हो गया हूं, क्योंकि, विश्वास के द्वारा, मैं अपने मामले में आज प्रातः लहू को लगाता हूं। मैं चंगा हो जाऊंगा, क्योंकि मैंने लहू को अपने हृदय की चौखट पर लगाया है। मैं कभी भी सन्देह को इसके विरुद्ध उत्पन्न नहीं होने दूंगा, क्योंकि मैं स्वयं को यीशु के लहू के लगाने के द्वारा सुरक्षित करूंगा, विश्वास के द्वारा (मेरा जूफा) अपने दरवाजे पर।

और कोई शत्रु अन्दर नहीं आयेगा। अब मैं परमेश्वर के वचन पर कभी भी अविश्वास नहीं करूंगा।" यह इतना ही सरल है।

86 अलग होने के पश्चात वे अपने मार्ग पर थे, और एक बुलाये गये लोग। और वे लाल सागर पर आये। और उन्हें वहां पर रुकना पड़ा। वे पार नहीं जा सके। महान सेनापति, यहोशू, ने अपने हाथ को उठा कर और तुरही फूंकी, "रुको! बढ़ने से रुको! यहां हमारे सामने रुकावट है। हमारे दोनों ओर पहाड़ है। हम यहां घाटी में है, और हमें रुकना है।"

87 और वह कलीसिया जब कभी भी रुकी यह जब शैतान ने कब्जा किया। निरन्तर आगे बढ़ना है, और जल्दी–जल्दी सिय्योन की ओर बढ़ना है। जीवित परमेश्वर की कलीसिया को कभी भी रुक जाने का दोषी मत होने दो।

88 इसलिये वे रुक गए, और बोले, "यहां क्या मामला है? " और जैसे ही वे रुके और अपने तंबू गाड़े और थोड़ी देर के लिए, और विश्राम करने लगे, उन्होंने रथों के पहियों की गड़गड़ाहट सुनी। और उनके बचने का केवल एक ही मार्ग था कि वापस जाये। और यहां फिरौन की सेना आती है, कि उनके रास्ते बंद कर दे, या पार जाने का मार्ग।

89 आप सिपाहियों, युद्ध नीतियों को जानते है, कैसे वे उन्हें घेर लेते है। वहां उनके सामने लाल सागर था, संभवतः है दो या तीन मील चौड़ा। इधर ऊंचे–ऊंचे पर्वत; वे उन पर नहीं चढ़ सकते थे। वहां वे बिखरी हुई भेड़ों के समान, हर तीर अंदाज के निशाने पर होंगे। और उनके पीछे, क्योंकि वे रोक लिए गए थे, शत्रु आ गया।

90 यह ये दर्शाता है मित्रों कि आज भी प्रतिज्ञा के देश की ओर बढ़ते हुए, शत्रु हमारे पीछे एक दो छलांग लगाता है। हम इस बेदारी में नहीं रुक सकते। यह रुकने का स्थान नहीं कहला सकता। बस बढ़ते जाये। बढ़ते जाये। पवित्र आत्मा की उपस्थिति आपके साथ है, परसों रात्रि और कल रात्रि। अब निरंतर उसमें बढ़ते जाये बिल्कुल ना रुके। क्योंकि शत्रु, ठीक पीछे आपके समीप है।

91 जैसे ही रुकने कि पुकार होती है, और फिरौन की सेना दिख रही थी, थोड़ी ही दूर आ रही है; वो—वो रथो के पहियों की गड़गड़ाहट और उड़ती हुई धूल, और सिपाहियों की चिल्लाहट। क्या ही समय है! यह लोगो को उन्मत कर देता है।

92 परंतु उनके बीच में एक था, जो जानता था कि कोई कारण नहीं है कि अशांत हुआ जाए। उसका पहले परामर्श हो गया था। वह जानता था कि परमेश्वर को पकड़े रहने के लिए उसने क्या किया है। इसलिए ऊपर हम कहेंगे, ऊपर पहाड़ पर मूसा ने स्वयं को बाकी इस्राएलियों के बालकों से एक निश्चित चट्टान के पीछे छिपा लिया, और वहां उसने एक परामर्श किया। "प्रभु, मैं यहां तक आ गया हूं, परंतु एक रुकावट ने हमें रोक लिया है। हमें यहां पर रुकना पड़ा।"

93 जैसे कि यहां हमारे भाई पहिये वाली कुर्सी पर है। जैसे कि संभव है कि आप यहां कैंसर के साथ बैठे हो, या हृदय रोग के साथ, या कुछ ऐसा जो कि आप जानते हो कि मरने वाले है। शत्रु ने आपको रोक दिया। वह आपको एक ठहराव पर ले आया। हो सकता है इससे पहले शत्रु आपके ऊपर कब्जा करें आप पहले ही रुक गए हो। हो सकता है आपके जीवन में कोई कारण हो कि आप रुक गए हो। यह जो भी है, आपके पास अभी भी विशेष अधिकार है कि आप परामर्श करें। हम इस पर उससे बात करें। हम इस विषय में कुछ करें। कोई मतलब नहीं कि शत्रु क्या है, हमारे परमेश्वर के लिए वह कभी भी बहुत महान नहीं है। हमें एक परामर्श की आवश्यकता है।

94 इसलिए मूसा ऊपर चला गया, हम कहेंगे कि एक निश्चित स्थान के पीछे और परमेश्वर के साथ परामर्श किया। वह नहीं जान पाया कि क्या करें।

95 हो सकता है आप ना जानते हो कि क्या करें। हो सकता है आप पापी हो, और बहुत सारे पाप किए हो। हो सकता है आपने इतना धुम्रपान किया हो कि और नहीं कर सकते, और इसे छोड़ नहीं सकते। हो सकता है इतना मद्यपान किया हो कि और नहीं कर सकते, और आप इसे नहीं छोड़ सकते। हो सकता है आप इसे इसे स्थान पर आ गए हो जहां आप आप पाप और कामुकता से भरे हो, यहां तक कि आप प्रत्येक स्त्री को देखते है, गलत हो। या, हो सकता है आपने यहां तक कि अपने प्रकृतिक उदगमो को भी दूषित कर लिया हो। हो सकता है आप घिराव में आ गए हो। मैं चिंता नहीं करता कि आप कहां पर है, परमेश्वर अब भी आपके पास परामर्श हेतु आने के लिए तैयार है, और आपसे इस विषय पर बात करें। हो सकता है आपने अपना घर तोड़ लिया हो। हो सकता है आपने अपना पति छोड़ दिया हो, या अपनी पत्नी छोड़ दी हो। हो सकता है आप आपने बालकों को छोड़ कर भाग गये हो। इस जीवन में बहुत सी बातें हो सकती

है, जिसमें शत्रु ने आपको फंसा लिया हो, परंतु, मेरे भाई, बहन, स्मरण रखिए, आपके पास अब भी अधिकार है कि परमेश्वर के साथ परामर्श करें। जी हां, श्रीमान। उससे बातचीत कीजिए। "वह संकट के समय उपस्थित सहायता है।"

96 तब हम देखते हैं मूसा ने परामर्श किया। और हो सकता है कि विचार विमर्श यह था "ओह इस्राएल के महान मार्गदर्शक, मैंने यह सब तेरे आज्ञानुसार किया है। मैंने—मैंने इन लोगों की अगुवाई जैसा तूने मुझे करने को कहा, की है। मैंने लोगों को लहू से ढक दिया है। मैंने स्वर्ग से विपत्तियों को बुलाया। जो भी आपने करने को कहा मैंने सब किया है। और यहां पर, हम घिर गये है। प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए? मेरा यहां परामर्श आपके साथ होना चाहिए।" संभव है चट्टान की चोटी पर खड़े हुए, या चट्टान की दरार के पास खड़े हुए, जहाँ मूसा इस संकट की घड़ी में निश्चित चुने हुए स्थान में प्रार्थना कर रहा था।

97 कुछ तो करना ही था, या फिर वे रथों के पहियों तले कुचल देंगे। वे हर एक छोटे इब्रानी बालकों को धकेलते हुए। प्रत्येक छोटे–छोटे बालकों को खूँदते हुए, उनके सर चट्टान पर मारते हुए निकल जाएंगे। और उनकी माताओं को बलात्कार कर... और काट दिया जाएगा, और उनके—उनके पिताओं का वध कर दिया जाएगा। वहां संकट की घड़ी थी।

98 हो सकता है उसी प्रकार की संकट के घड़ी हो सकता है, वैसा नहीं परंतु हो सकता है, कि कैंसर ने आप को पकड़ रखा हो। हो सकता है कोई और रोग हो। हो सकता है पाप ने आपको जकड़ रखा हो। और यह आपको शैतान के नर्क में नष्ट करने जा रहा हो, एक अलगाव परमेश्वर से। जल्द ही एक परामर्श सभा करें।

99 और जब यह सम्मेलन हुआ, तो परमेश्वर चट्टान पर मूसा के संग खड़ा हुआ। और उसने कहा, "मूसा, वापस बस्ती में जा। वहीं वापस जा जहां से तूने आरंभ किया था। मैं परमेश्वर हूं। वहां जाकर और लोगों से कह कि आगे बढ़े, जब समय आएगा तो। मैं आगे बढ़ने के लिए मार्ग बनाऊंगा। मैं मार्ग बनाने वाला परमेश्वर हूं।"

100 मूसा, परामर्श सभा समाप्त हो जाने के पश्चात, और परमेश्वर की उपस्थिति से आगे बढ़ने की आज्ञा को लेकर निकला, नीचे गया और कहा, "इस्राएल, तू ना डर। शांत रह, आज और अपने परमेश्वर की

सामर्थ को देख। समुद्र की ओर जा। आज्ञा से इधर उधर ना हो। आज्ञा है कि, 'आगे बढ़!' प्रतिज्ञा का देश हमारा है। यह शत्रु हमारे मार्ग में है, इसने हमें अलग कर दिया है। परंतु परमेश्वर ने कहा है, 'आगे बढ़ो!' बढ़ते जाओ।"

101 आज कलीसिया के साथ यही मामला है। परमेश्वर ने आपको बुलाया है, और वह आपको वरदान के बाद वरदान देना चाहता है, और सामर्थ के बाद सामर्थ, अनुग्रह के बाद अनुग्रह। परंतु तुमने स्वयं को संगठित कर लिया, "मैं और आगे नहीं बढ़ सकता, क्योंकि कलीसिया मुझे नहीं करने देगी।" समझे? परमेश्वर में कोई ठहरने का स्थान नहीं है, वर्गीकरण का कोई स्थान नहीं है। किसी निश्चित स्तर का कोई स्थान नहीं है। इसकी बात यह है, आगे बढ़ो। परमेश्वर का वचन बोलो और आगे बढ़ो। केवल बढ़ते जाओ। निरंतर बढ़ते जाओ। परमेश्वर कहता है, यह ठीक है, यह ठीक है। तुम्हें तुम्हारा अधिकार मिला है।

102 यदि वे कहते है, "ठीक है, मैं अपनी कलीसिया में गया हूं, और उन्होंने मुझे बताया है कि मुझे उस वाले आराधनालय में नहीं जाना चाहिए। अब मैं शंका में पड़ गया हूं, कि मुझे पवित्र आत्मा लेना चाहिए, कि नहीं।"

103 प्रतिज्ञा आपकी है। "यह आपके और आपके बालकों के लिए है और उनके लिए जो दूर–दूर है, जितनो को भी हमारा प्रभु परमेश्वर बुलायेगा।"

104 क्या? परमेश्वर का वचन बोलो। परमेश्वर ने इसे ऐसा कहा है। आगे बढ़ो। देखिए शत्रु तितर–बितर होता है। देखिए लाल सागर खुलता है। परामर्श कीजिए। आगे बढ़िये। निश्चय ही, वह खुलेगा। परमेश्वर ही बच निकलने का मार्ग है। उसी ने मार्ग बनाया है, सीधा–सीधा प्रतिज्ञा के देश को। जो कुछ भी उसके मार्ग में आड़े आता है, वह उसे मार्ग से हटा देता है। यदि कोई चीज आपके मार्ग में आये, तो परमेश्वर के साथ परामर्श करें। इस विषय में उससे बातचीत करें, और आगे बढ़े।

105 परमेश्वर यहां यशायाह से यही कह रहा था। "ओह, तू पाप से भरा है। तेरे पाप लाल रंग के से है। तू क्यों नहीं आता और हम आपस में वाद–विवाद करें? क्यों नहीं आता और इस पर मुझसे बात कर? मेरा अनुग्रह बहुत है।"

लाल सागर का सम्मेलन।

106 बहुत वर्षों पहले एक और सम्मेलन हुआ था, मैं उसके विषय में कुछ क्षणों में बोलना चाहता हूं। यह बड़े दिन का सा समय था जिसमें अब हम प्रवेश कर रहे हैं, चाहे वहां बड़ा दिन हो, या नहीं। परंतु वहां स्वर्ग में एक सम्मेलन हो गया, कि छुटकारे की क्या योजना होगी। और यह परमेश्वर के द्वारा निर्णय लिया गया, कि वह मनुष्य बनेगा, कि वह नीचे आएगा और अपना श्राप स्वयं अपने ऊपर लेगा। उसके लिए यह उचित नहीं है कि एक स्वर्गदूत को भेजें। यह उसके लिए उचित नहीं होगा कि किसी और व्यक्ति को भेजें। यहां तक कि यदि उसके पास लड़का होता, तो यह उसके लिए उचित नहीं होता कि अपने लड़के को भेजें।

107 यह मेरे लिए उचित नहीं होगा कि जोसफ मेरे निर्णय के कारण पीड़ित हो। मैं ऐसा करने में न्यायी नहीं हो सकता हूं। यदि मैंने अपना निर्णय ले लिया है, उसे वापस लेना चाहता हूं, तो केवल एक ही चीज है जो मैं कर सकता हूं कि उसके लिए मैं स्वयं को ही पीडीत करूं।

यही चिन्ह है। यही मृत्यु है जिसने शैतान के ऊपर कर किया है।

108 अब, मेरे कैथोलिक भाईयों, और मेरे बहुत से प्रोटेस्टेंट भाइयों, मैं आपको आघात नहीं पहुंचा रहा हूं। परंतु जब आप यीशु को परमेश्वर से थोड़ा छोटा परमेश्वर बनाने का यत्न करते हैं, उसे छोटा परमेश्वर बनाते है, आप उसका पैर काट देते हैं, और परमेश्वर की अध्यक्षता में उसे थोड़ा छोटा परमेश्वर कर देते है। आप इतने गलत है।

109 यीशु मनुष्य था। उसने स्वयं को मनुष्य का पुत्र कहा। यह शैतान के लिए मृत्यु का एक झटका था।

110 शैतान ऊंचा है, अपने लिए मिकायेल से अधिक सुंदर राज्य बनाया। कैन उसका पुत्र, एक अच्छी वेदी बनाना चाहता था, उन सब फलों आदि से। परमेश्वर इस प्रकार की सुंदरता में नहीं रहता।

111 परंतु, परमेश्वर ने, मृत्यु को मारने के लिए पाप को फूँका, देखिए वह कैसे आता है। उसने आने के लिए कैसे चुनाव किया? स्वर्ग में एक सम्मेलन हुआ। "आप कैसे नीचे जा रहे हैं? पिता, आप इसे कैसे करने जा रहे है," स्वर्गदूतो ने कहा।

112 "मैं उनमें से एक होने जा रहा हूं। मेरे छुटकारे का नियम यह है, 'एक नजदीकी संबंधी।' और मुझे स्वयं को मनुष्य बनना पड़ेगा।" इसी प्रहार ने शैतान को गिरा दिया। जन्म! वह सराफीमो के साथ नीचे आ सकता था।

वह सोने की सीढ़ी से होता हुआ नीचे आ सकता था। वहां स्वर्ग में भजन गाए जा सकते थे और वह चलता हुआ, पृथ्वी पर आ सकता था, और हर चीज को निकाल देता। परंतु जब उसने परामर्श किया, तो उसने निर्णय लिया कि बालक के समान आयेगा।

113 यशायाह 9:6 में हम इसे पाते है। "हमारे लिए एक बालक जन्मा, एक पुत्र दिया गया; और प्रभुता उसके कंधों पर होगी; और वह अद्भुत युक्ति करने वाला, शांति का राजकुमार कहलायेगा, वह सामर्थी परमेश्वर अनंतता का पिता। और उसके राज्य का कभी भी अन्त ना होगा।"

"यह तुम्हारे लिए एक दिन होगा, कि एक बालक," ना कि एक परमेश्वर, "एक बालक।"

114 देखिए वह कहां जन्मा था। इसका निर्णय तो सम्मेलन में ही होना था, कि वह कहां जन्मेगा कि यह निश्चित हो कि वह मनुष्य था। वह चरनी में जन्मा। बजाये इसके कि वो—वो सुंदर महल कि उसे रक्षक लाये बजाये, स्वर्गदूतों के संरक्षण में, बजाये सरपो के आवगवन के मध्य स्वर्ग के शान में—में, उसने स्वयं को, स्वयं को चरनी में रखा, पशुओं के गोबर पर संसार की गर्द और गंदगी में आने को चुना। वह मनुष्य था। वह परमेश्वर से कम नहीं था। वह एक मनुष्य था। हमारे समान जन्मा, उस गंद में, जो स्त्री के गर्भ में से आता है। परमेश्वर नहीं; एक मनुष्य! वह कुछ नहीं था, और, कोई आश्चर्य नहीं, महानतम पुत्र।

115 आप सभाओं में हृदय के भेद को जानने का चिन्ह देखते है, जीवित परमेश्वर की उपस्थिति। आप उसके चिन्हों को हर जगह देखते है। परन्तु मेरे भाई, मेरी बहन, मैं आपसे कह दूं। इतना प्रभावित करने वाला चिन्ह, कभी नहीं हुआ, कि स्वर्ग दूतों ने चरवाहों को बताया कि, "तुम उसे चरनी में कपड़े में लिपटा हुआ पाओगे।" और देख सकते हो कि परमेश्वर क्या है। यही है। यह आज मुझे चौका देता है।

116 क्यों, क्या यह बेदारी इस नगर में आ सकती है, उस महान विशेष सुसमाचार सुनाने वाले की और महान ऊपर और ऊपर जाते है, शहर के मेयर, और सब ऊंचे–ऊंचे या अच्छे वस्त्र पहने हुए, और निर्धनों को नीची दृष्टि से देखा गया? और आप कुछ सेवकों के विषय में बात करते हैं जिनके पास कुछ बड़ी–बड़ी शिक्षा, और जो बड़े प्रभावित शब्द बोल सकते हैं जो

कि आपकी समझ को रिझा लेते है, उन बड़े–बड़े शब्दों से जो गरीब कभी नहीं समझ सकते, और आप सब उसे महान कहते है।

117 क्या आप नहीं देखते कि परमेश्वर नम्रता में है? "यह एक चिन्ह होगा। बालक पशुओं पर डालने वाले कपड़े में लिपटा हुआ होगा, और चरनी में रखा होगा उस गोबर के ढेर पर जो पशुओं और भेड़ों का है।" ओह, प्रभु! यह चिन्ह है। "यह आपके लिए एक चिन्ह होगा। कि आप बालक को वहां पाओगे।"

118 बहुत ही बार लोग सोचते है, "छोटे से पुराने आराधनालय में कुछ प्रचारक, जो मुश्किल से अपना क ख ग जानते हैं, गेंगबाज, और अवैद्य शराब का धंधा करने वाले और सब कुछ, परिवर्तित हो गए, कोई शिक्षा नहीं, और उनकी दक्षिणी भावो का प्रयोग किया जैसे की उसका 'है कि नहीं,' और 'ले जाना,' और 'ढोना,' और 'लिया,' आप इसमें कभी भी परमेश्वर को नहीं पायेंगे।"

119 परंतु आप उसे यहां पशु के ऊपर डालने वाले कपड़े में लिपटा हुआ पायेंगे, दीनता। आप सोचते है कि यह किसी महान विधि से आता है। यदि आप परमेश्वर के साथ अपना वास्तविक परामर्श करना चाहते हैं, इस प्रकार के लोगों को लीजिए, तब इस पर बात करें। आप परमेश्वर के कार्य को देख सकते है, कि कैसे उसने किसी मूरत, किसी महान कलाकार और किसी चीज को नहीं लिया, और उसे बुद्धिमानी वाला भाषण दिया हो। परंतु उसने कुछ ऐसा लिया जो कुछ नहीं था, वैसे ही आया जैसा उसने पहले किया था।

120 अधिक समय नहीं हुआ किसी ने कहा, "यदि यह विचारों का परखना और यह चंगाई और आदि–आदि परमेश्वर का था, तो यह कैथोलिक पुरोहित तंत्र के पास होता।"

121 तो फिर यहूदी पुरोहित तंत्र के पास क्यों नहीं था? वह महल में नहीं जन्मा। वह चरनी में जन्मा था। उसके पास कढ़ाई किया हुआ वस्त्र पहनने के लिए नहीं था, परंतु हल में जूते हुए बैल का उतरा हुआ चिथड़ा। गोबर की खाद के देर पर पड़ा था; परमेश्वर का पुत्र, मन्दिर जिसमें परमेश्वर ने वास किया। इसी प्रकार से उसने आने का निर्णय लिया। और हमें गोल कॉलर और पीछे से खुला हुआ कोट चाहिए, और बड़े शानदार आराधनालय और सुनहरी चोटियां। "यह एक चिन्ह होगा। आपको वह पशुओं वाले वस्त्र में,

लिपटा हुआ पशुओं वाले वस्त्र में मिलेगा, और चरनी में पड़ा हुआ होगा। यह आपके लिए चिन्ह होगा।"

122 परमेश्वर दीनता में वास करता है; घूम घाम में नहीं; यह सदा से शैतान का विचार रहा है। परमेश्वर दीनता में आता है। "यह एक चिन्ह होगा।" छोटा परमेश्वर नहीं, परंतु एक मनुष्य। एक मनुष्य! जब वह बालक था, तो बालक के समान रोया। वह लड़के के समान गलियों में खेला, जब वह लड़का था। उसने युसूफ के साथ बढ़ई खाने में काम किया, जैसे कि एक व्यक्ति कार्य पर होता है। जब वह भूखा था तो उसने खाना खाया। जब इसे गर्मी लगी तो उसे पसीना आया। जब वह दुःखी था तो वह रोया। वह एक मनुष्य था।

123 "यह तुम्हारे लिये एक चिन्ह होगा। परमेश्वर नम्रता में तुम्हारे मध्य में वास करेगा... " ना कि महान, बड़ा तरस वाला व्यक्ति, परन्तु एक छोटा साधारण मनुष्य बिना किसी भूमिका के साथ। एक चिन्ह! ठीक वही यह शैतान के लिए मृत्यु का प्रहार है। यह हर नामधारी और धूमधाम के लिए मृत्यु प्रहार है, और सारे धूमधाम, और इस संसार की महिमा के लिए। यह मृत्यु प्रहार है, कि स्वर्ग के परमेश्वर ने आने का यह मार्ग चुना।

124 यह सम्मेलन में हुआ। इसका निर्णय तो होना ही था। यही मार्ग है जो उसने आने के लिए चुना। उसे उस मार्ग से नहीं आना था। वह स्वर्ग का परमेश्वर था, परंतु उसने एक बालक के समान बन कर आना चुना। उसने इस मार्ग से आना चुना। स्वर्ग की परामर्श सभा में यही हुआ।

125 मैं और दूसरे दो सम्मेलन लूंगा। मैं इस वाले को लूंगा। एक समय था... साढे तैतीस वर्ष के सिद्ध जीवन के पश्चात जो उसने जीया। एक मनुष्य जो ऐसे ही जीना चाहता है जैसे मैं जीना चाहता हूं, जितना कि आप जीना चाहते है। एक मनुष्य जिसके पास जीने के लिए कुछ था, भाइयों जिसे उसने प्रेम किया, लोग जिन्हें उसने प्रेम किया, सूर्यास्त जिसे उसने देखना पसंद किया। स्मरण रखें, यीशु मनुष्य था। परमेश्वर उसमें था।

126 एक समय आया, आत्मा जो मेमने की अगुवाई कर रहा था, पण्डुकी, पण्डुकी और मेमने के बीच परामर्श होना ही था और इसे तय करने के लिए, और उन्होंने एक स्थान तैयार किया।

127 उस रात्रि भोज के बाद उस रात्रि उन्होंने एक सोते की नाली को पार किया क्रेत, और या, कही और, और उस सोते के पार चला गया, और

उस वाटिका जो गतसमनी कहलाती थी वहां चला गया। उन्हें परामर्श सभा करनी ही थी। परमेश्वर और मसीह ने इस पर बात करनी थी। मेमने और पण्डुकी को एक साथ बैठना था। यह पण्डुकी थी जिसने मेमने से बात करनी थी, और यह मेमने की मृत्यु थी।

128 अब, जब वे उस चट्टान के पास बैठते हैं, और सारे स्वर्गदूत स्वर्ग से आते है, कि इस सम्मेलन को सुनें। ओह! वहां जिब्राईल, मिकायेल, वुड वार्म, वे हजारों उस चट्टान के चारो ओर बैठे थे।

129 उसने अपने थके हुए चेलों से कहा उनकी बड़ी–बड़ी सभायें हुई थी, थके हुए थे, शायद जैसे आप लोग आज प्रातः है। परंतु उसने कहा, "क्या तुम मेरे साथ एक घंटा जागोगे? क्योंकि मुझे वहां जाकर और परामर्श करना है। मुझे अकेले ही जाना है।" और जब वे...

130 परामर्श की सभा आरंभ हो गई थी। और मेमना नवयुवक, एक सुंदर जीवन, ऐसा जीवन कभी नहीं हुआ। कभी नहीं हुआ था, कभी नहीं होगा, एक ऐसा जीवन जो उस मेमने का था। परंतु अब, पिता ने कहा, "क्या तेरी इच्छा है? क्या तेरा प्रेम तेरे भाइयों के लिए पर्याप्त और महान है? क्या तेरा प्रेम इन पापियों के लिए, सड़े संसार के लिए जिसमें तू जन्म लिया था, क्या तू उन से इतना प्रेम करता है कि अपने जीवन से मूल्य चुकाये? क्या तू उनसे इतना प्रेम करता है, कि उनका स्थान ले ले कि उनके पापों को अपने ऊपर उस कठिन क्रूर संकट भरी मृत्यु में ले ले? " आप... कोई भी वैसी मृत्यु से नहीं मर सकता केवल वही।

131 और उस परामर्श सभा में, ऐसा निर्णय लिया गया, जब तक की लहू उसके माथे पर से नहीं गिरने लगा। वह तनाव में था। संसार के पाप उसके ऊपर थे। और तब उसने पण्डुकी के मुख की ओर देखा, और कहा, "मेरी इच्छा नहीं, परंतु तेरी इच्छा पूरी हो।"

132 ओह, क्या आज प्रातः वह निर्णय हम अपने ह्रदयो में ले सकते हैं? क्या आप अपने उस छोटे गंदे जीवन को भुगतान में दे सकते हैं? क्या आप उसके मुख की ओर देख कर कहने के इच्छुक है और कहे, "मेरी इच्छा नहीं"? "मैं शराबी हूं परंतु मैं अब और नहीं पीयूंगा। मैं जुआरी हूं; मैं अब और नहीं पीयूंगा। मैं असभ्य हूं, और अब मैं उस प्रकार और होऊंगा। मैं झूठा हूं, परंतु मैं आज इसे बंद कर दूंगा। मैं गलत व्यक्ति हूं। परंतु इस परामर्श सभा में, आज प्रातः, मैं तेरे मुख की ओर देखुंगा, और अपने गुरु

के समान ले लूंगा जो मेरे लिए मरा, मेरे मार्ग को साफ करने के लिए, 'मेरी इच्छा नहीं, आपकी इच्छा।' यदि मेरा घर इस मूल्य पर लगता है। यदि परामर्श सभा में इससे मेरा पति, मेरी पत्नी, मेरा पिता, मेरी मां, मेरी संगति, मेरी कलीसिया की सदस्यता, जो कुछ भी हो दांव पर लगता है। इस प्रातः, तो मैं कहता हूं, कि मैं चाहता हूं कि आपका पवित्र आत्मा मुझ में रहे। मैंने इसके विषय में सुना है। मैं आपको अपने अंदर चाहता हूं। मेरी नहीं, पर आपकी। यही मेरा निर्णय है।" परमेश्वर ने किसी ऊंची चोटी के स्थान पर नहीं बुलाया, परंतु दिन छोटे से आराधनालय में जो गिरने को है। हमारी परामर्श सभा है।

133 एक क्षण के लिए मैं एक और सम्मेलन के लिए बोलना चाहता हूं। बहुत सो को सिखाया गया होगा। उसकी मृत्यु, गाडे जाने और जीवित हो उठने के पश्चात परामर्श सभा हुई। कुछ करना था। वे बुद्धि भरे विचारों के लोग थे, इसलिए वहां एक दूसरी महान परामर्श सभा तय हुई। हम यह जानते है, पेंटीकोस्टल के समान, बाईबल में।

134 उन्हें परामर्श सभा करनी ही थी। और कुछ करना था, क्योंकि यीशु ने कहा, "अधिक प्रचार मत करो। अधिक अब मत गाओ। अब बाहर जाकर और सेवकाई मत करो। परंतु अब मैं तुम्हारे साथ परामर्श सभा करना चाहता हूं। और सम्मलेन में, मैं पवित्र आत्मा को लाने जा रहा हूं। परंतु यरूशलेम नगर में जाओ, और वहां तब तक प्रतीक्षा करो जब तक मैं वापस ना आऊँ। मुझे स्वर्ग को जाना है, कि उन्हें आनंदित होने दू। और मुझे उस—उस महामहिम के सिहासन के पास जाना है," वह देह, यीशु, "परंतु मैं जा रहा हूं... हम वहां पर परामर्श सभा करने जा रहे है। और परमेश्वर जो मुझ में वास करता है उसने प्रतिज्ञा की है कि मैं फिर से वापस आ सकता हूं, और मैं तुम मैं होऊंगा; तुम्हारे साथ, तुम में, संसार के समाप्त हो जाने तक। जब तक यह सब पूरा ना हो जाए, मैं तुम्हारे साथ होऊंगा। और जो कार्य मैं करता हूं तुम भी करोगे।"

135 इसलिए वे नहीं जान पाये कि वे इसे कैसे करेंगे, इसलिए वे पेंटीकोस्ट पर गए, और एक सौ बीस जन ऊपर वाली कोठरी में गए और द्वार बंद किए, और उन्होंने प्रतीक्षा और प्रतीक्षा की।

136 हमारे साथ परेशानी है, यदि हम एक—एक सभा को लगभग दस मिनट परमेश्वर के संग नहीं पाते, तो हम थक जाते हैं हमारे घुटने दुखते

है। हम चले जाना चाहते है। यदि वह हमारी इच्छा के अनुसार उत्तर नहीं देता जो हम चाहते हैं, जैसा हम सोचते हैं, तो हम उसके साथ विरुचित हो जाते है। "ओह, आओ, हम आपस में वाद–विवाद करें।"

137 "ओह पेंटीकोस्ट पर आए, मैं तुम्हारे साथ वाद–विवाद करना चाहता हूं। केवल वहां जाकर प्रतीक्षा करो।"

138 दस दिन, वे बैठे थे, खड़े थे प्रार्थना और सब कुछ कर रहे थे, प्रतिज्ञा की प्रतीक्षा कर रहे थे। "और तब अचानक से, परामर्श सभा का निष्कर्ष स्वर्ग से नीचे उतर आया, पवित्र आत्मा आंधी के शब्द के समान, और इसने पूरे घर को भर दिया जहां में बैठे हुए थे। वे पवित्र आत्मा से भर गए थे।" और आगे बढ़ कर, उन्होंने वचन प्रचार किया।

139 जब हमारा विश्व सम्मेलन हुआ, प्रायः उनके चुने हुए स्थान थे। और वे परामर्श सभा में क्या करते थे? वे मिली–जुली शराब पीते थे। वे सिगार और सिगरेट पीते थे। वे एक दूसरे से झूठ बोलते, और एक दूसरे को धोखा देते, और विश्व शांति की बातें करते।

140 परंतु जब परमेश्वर सम्मेलन करता है, तो यह उपवास, शुद्धता, प्रार्थना, आज्ञाओ को प्राप्त करना, और आगे बढ़ना। यह परमेश्वर का सम्मेलन है। बढ़िया खाने नहीं, परंतु उपवास। ना कि अश्लीलता में जाना, परंतु अलग स्वयं को हर अधर्म से शुद्ध रखना, जब आप परमेश्वर के सम्मुख जाये। स्वयं को विश्वास के द्वारा साफ़ करते हुए, जूफ़ा से लहू को अपने ह्रदय पर लगाना, और परमेश्वर के सम्मुख उस सम्मेलन के लिये चलना। इस प्रकार के सम्मेलन जब आप परमेश्वर से मिलते है, तब परमेश्वर आपको आज्ञा देता है। जब आप आगे बढ़े, वह आपके साथ जाता है।

141 बहुत सारी परामर्श सभाये है जिनके विषय में हम सोच सकते है। परंतु समय अनुमति नहीं देता। अभी हाल ही में सम्मेलन हुआ।

142 वहां मार्टिन लूथर के दिनों में सुधार पर एक सम्मेलन हुआ था। परमेश्वर ने मार्टिन लूथर को बुलाया कि जा कर न्यायोचितता को प्रचार करो, और उसने यह किया।

143 वेस्ली के दिनों में एक परामर्श सभा हुयी इंग्लैंड में कि पवित्रताई को प्रचार करे, और जैसा कि वैसली ने गवाही दी...

144 मैंने उसका कोट पहना, उसका अन्तिम कोट, जो उसके पास था एक कपड़ा। मैं उसके प्रचार मंच पर खड़ा हुआ जहां से उसने प्रति प्रातः पांच बजे पंद्रह सौ लोगों को प्रचार किया। उस कमरे में घुटने टेके और उसके जीवन के लिए परमेश्वर का धन्यवाद किया, उसी कमरे में जहां वह मरा। वहां आत्मा मुझ पर था, मैंने सोचा, "हां, वेस्ली सच्चा था।"

145 परमेश्वर के पवित्र स्वर्गदूतो और परमेश्वर ने परामर्श सभा की, कि वह समय था कि पवित्रताई को प्रचार किया जाए, और उन्होंने वेस्ली को चुना। और वह इसके लिए सच्चा था।

146 तब पेंटीकोस्टल के समय पर। यह पेंटीकोस्टल को वापस फेर लाने का समय था। वहां स्वर्ग में परामर्श सभा हुई। "क्या यह आत्मा की भरपूरी को उंडेलने का समय है? " और वह उतरा, और उन्होंने इसका प्रचार किया। और हमें यह मिला, और पवित्र आत्मा प्राप्त किया।

147 अब मैं विश्वास करता हूं कि हम अब दूसरे सम्मेलन पर है, और वह परमेश्वर के पुत्र का आगमन। उसने अपने चेलों से कहा, "मैं उस मिनट या घंटे को नहीं जानता; यहां तक कि स्वर्ग दूत भी नहीं। परंतु किसी दिन एक सम्मेलन होगा," दूसरे तरह से, "और पिता ही उस घड़ी का निर्णय लेगा कि मैं वापस आऊंगा।" मैं विश्वास करता हूं कि सम्मेलन चल रहा है। निर्णय लिया जा रहा है।

148 उसका आत्मा इस पृथ्वी पर इतने जोर से आ रहा है, यहां तक कि यह भक्त मंडली में खड़ा होगा, और मस्तिष्क के विचारों को परखेगा। जैसा कि बाईबल ने कहा, "परमेश्वर का वचन, दोधारी तलवार से अधिक तेज से अधिक सामर्थी है, गूदे–गूदे को आरपार छेदता है, और मस्तिष्क के विचारों को परख लेता है।"

149 जब फिलिपुस आया और परिवर्तित हुआ था, और जाकर नतनेएल को बुला कर लाया, और नतनेएल यहूदियों को यीशु के सामने लाया। और वह उसे उसके विषय में बता रहा था, बताया, "भाई नतनेएल, क्यों अभी कुछ दिनों पहले एक अनपढ़ मछुआरा उसके पास आया, और वह जानता था। उसने उसका नाम पुकारा, और उसे बताया कि वह कौन था। क्या तुम नहीं जानते, वह मसीह, जिसके लिए हमारे भविष्यवक्ता ने कहा आयेगा, क्या तुम अनुभव नहीं करते कि वह मसीह भविष्यवक्ता होना चाहिये, एक परमेश्वर भविष्यवक्ता? वह यही है। यही है वह।"

150 नतनेएल को कहना चाहिये था, "मैं इसका विश्वास नहीं करता। मैं स्वयं जाकर और देखूंगा।" परंतु जब वह यीशु के सामने पहुंचा, यीशु ने कहा, "देखो एक इस्राएली जिसमें कोई दोष नहीं।"

151 और जब उसने यह किया, उसने कहा, "तू मुझे कब से जानता है, रब्बी? "

152 कहा, "इससे पहले कि फिलिपुस ने तुझे बुलाया जब तू पेड़ के नीचे था, मैंने तुझे देखा।"

उसने कहा, "तू परमेश्वर का पुत्र है। तू इस्राएल का राजा है।"

153 जब सामरिया की स्त्री, जिसके पांच पति थे, उसके पास आई। और उसने कहा... जब उसने अपना पानी लेना आरंभ किया, उसने इस यहूदी को बैठे देखा। उसने कहा, "मुझे पानी पिला।"

154 देखिए, वह एक मनुष्य के समान प्यासा था। वह एक मनुष्य था। अपनी देह में, वह एक मनुष्य था। आत्मा में, वह परमेश्वर था। "परमेश्वर ने मसीह में वास किया, संसार का स्वयं से मेल मिलाप किया।"

कहा, "मुझे पानी दे।"

155 उसने कहा, "क्यों यह रीति नहीं है।" दूसरे शब्दों में, "हमारे मध्य में अलगाव है। मुझसे नहीं मांगना चाहिए।"

उसने कहा, "परंतु यदि तू जानती कि तू किससे बात कर रही है।"

156 ओह, मुझे आश्चर्य है कि आज प्रातः, यदि हम जानते कि इस कमरे में क्या है। यदि हम जानते कि इस कमरे में स्वयं पवित्र आत्मा, वह जो हमारे लिए या हमारे विरोध में, न्याय के दिन गवाही देगा, यही इस कमरे में है, और हमारे विचारों को जानता है।

157 "यदि तू केवल इतना जानती कि वह कौन है, जो तुझसे बोलता है, तो तू मुझसे पानी मांगती।"

उसने कहा, "कुआं गहरा है।"

158 वह उससे तब तक बातें करता रहा जब तक कि उसकी आत्मा को नहीं पकड़ लिया। और उसने कहा, "जा, जाकर अपने पति को यहां बुला कर ला।"

उसने कहा, "मेरे पास कोई नहीं है।"

159 कहा, "तूने ठीक कहा। तेरे पांच हुए, और वह जिसके पास तू अभी रह रही है तेरा पति नहीं है।"

160 उसने कहा, "श्रीमान, मुझे प्रतीत होता है कि तू भविष्यवक्ता है। अब हम जानते हैं कि जब मसीह आएगा, तो वह इन चीजों को करेगा। परंतु तू कौन है? "

161 यीशु ने कहा, "मैं वही हूं।" ओह, प्रभु! "मैं वही हूं, जो तुझ से बात कर रहा है।" एक साधारण मनुष्य, पानी मांग रहा है, वह स्वर्ग से कोई महान सुंदर सा दिखने वाला नहीं है। ना ही वहां कोई श्वेत सिंहासन लगा, परंतु एक मनुष्य, पीने के लिए पानी मांग रहा है कि अपनी प्यास बुझाये! "मैं वो हूं जो तुझसे बोलता है।"

162 और वह नगर में दौड़ गई और कहा, "आओ, देखो एक मनुष्य जिसने मुझे वह सारी बातें बता दी जो मैंने की। क्या यह मसीह का चिन्ह नहीं है? क्या यह वही तो नहीं? "

163 इसी की पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं के द्वारा भविष्यवाणी की गई है। कहा, "एक दिन होगा जब वे लोग दूसरी तरफ से केवल कलीसिया के सदस्य होंगे, और आराधनालय जायेंगे और बहुत ही सुंदर अच्छे लोग। और उनकी संस्थाये आदि होगी। और यह निराशाजनक दिन होगा, ना तो अंधियारा ना ही उजियाला। परंतु सांझ के समय में, उजियाला होगा।" वे भविष्यवाणी पूरी होनी चाहिए।

164 आपको स्मरण है, पिछली रात्रि, हमारा सम्मेलन स्वर्ग में? परमेश्वर सारे स्वर्ग दूतो को ले आया, चारो ओर कि परामर्श सभा करें, कि वह किसे भविष्यवक्ता का वचन बनाये कि घटित हो, एलिय्याह को निकाल के लाये... या मेरा अर्थ आहाब की, वहां उसे मार दे।

165 अब एक परामर्श सभा स्वर्ग में चल रही है। सांझ के उजियाले यहां पर है। एटम बम और चीजें हर स्थान पर लटक रही है, और हम अन्त समय में है। विश्व सम्मेलनों का अन्त हो गया। परमेश्वर की परामर्श सभा का समय आ रहा है। अन्य जातियों के लिए यह वचन पूरे होने है। "जो कार्य मैं करता हूं तुम भी करोगे।" वह समय यहां है। सम्मेलन हो चुका है। आत्मा यहां पर है।

166 अब, मित्र, बंद करते हुए, मैं यह कहता हूं। कि आप भी आज प्रातः एक परामर्श सभा में है। आप है। और आपका मुकदमा बहस के लिए तैयार है।

आपके—आपके बीमारी का मुकदमा बहस के लिए अनुग्रहकारी परमेश्वर के सामने तैयार है। आपके पाप का मुकदमा अनुग्रहकारी परमेश्वर के सामने तैयार है, और निश्चित हो जाये कि आप इसे स्वीकार करते है।

167 क्योंकि मैं आपको बता दूं, मैं अंतिम सम्मेलन पर बोलने के लिए तैयार हूं जो कि कभी होगा। परमेश्वर अनुग्रहकारी हो। केवल एक बात वहां स्थिर रहेगी, जो वापस मिला ले। यही न्याय है। और आप केवल एक ही बात से वापस मिलाये जायेंगे, वह कि जब आपने यीशु मसीह का लहू अपनी क्षमा के लिए स्वीकार किया हो, और उसके आत्मा के द्वारा भर गए। वहां एक सम्मेलन है, जहां पर हर एक पुरुष मिलेगा, हर एक स्त्री मिलेगी, हर एक बालक मिलेगा। वहां एक स्थान है जो कि सम्मेलन के लिए चुना गया है, जहां वह सम्मेलन होगा, और वहां एक महान श्वेत सिंहासन का न्याय होगा। परमेश्वर ने अपने महान भविष्यवक्ताओ को अनुमति दी है कि उसे देखें, और कहा, "पुस्तक खोली गई, दूसरी पुस्तक जो कि जीवन की पुस्तक है। हजारो हजार लाखो सेवक और स्वर्गदूत उसकी सेवा करते है।"

168 तब यह लिखा गया था, "यदि धर्मी ही कठिनता से बचेगा, तो फिर पापी और अधर्मी कहां होंगे? "

169 उस सम्मेलन में आपकी क्या स्थिति होगी? आपने उन सब को पार कर लिया होगा, अपने जीवन काल में। आज प्रातः आप इस द्वार से बाहर जा सकते है, और इसे छोड़ सकते है। परंतु, मेरे मित्र, आप उसे छोड़कर कहीं नहीं जा सकते। आपको वहां होना ही है। "क्योंकि मनुष्य के लिए एक बार मरना तय है, परंतु उसके पश्चात न्याय।" वहां एक महान सम्मेलन होगा जहां पर हम सबको साथ खड़ा होना होगा। और हमें आज प्रातः की इस पृथ्वी के सम्मेलन का हिसाब देना होगा, जो हमने आज प्रातः की है।

170 यदि आप पापी है, तो उसके अनुग्रह को स्वीकार कर ले, जबकि हम प्रार्थना कर रहे हैं और अपने सिरों को झुकाये हुए है।

171 इसके थोड़ा पहले की प्रार्थना करें, और आप अपने झुके हुए सिरों के साथ, मुझे आश्चर्य है, इस प्रातः इस सम्मेलन में बैठे हुए है, यदि पवित्र आत्मा ने आपसे नहीं कहा, "तुम दोषी हो।"

और हो सकता है आप कहे, "पवित्र आत्मा, आप देखिए, यह *इस* प्रकार से है।"

172 यही मूसा ने लाल सागर के सम्मेलन में कहा। "प्रभु, यह इस प्रकार से है। मैं यहां तक आ गया हूं, परंतु मैं उसके आगे नहीं जा सकता। मेरे मार्ग में कुछ है।"

173 आपके मार्ग में कुछ हो सकता है। परंतु, स्मरण रखें, परमेश्वर ने मूसा से कहा, "जा, और इस्राएल के बालकों से कह, और आगे बढ़।"

174 क्या आप चाहेंगे कि आपको प्रार्थना में स्मरण रखा जाए, क्या आप अपने हाथों को उठाएंगे और कहे, "कि भाई, मुझे प्रार्थना में स्मरण रखें।" परमेश्वर आपको आशीष दे। ओह! सारे भवन में दर्जनों हाथ है।

175 स्वर्गीय पिता, इस टूटी हुई आवाज से बल्की छिन्न भिन्न हुई आवाज से, जो प्रचार करने से, परन्तु जो भी हो, दूसरा, उस महान पवित्र आत्मा ने लोगों को वह विचार दिया जो इसका अर्थ था। जब, भविष्यवक्ता ने कहा, "अब आओ, हम एक दूसरे से वाद–विवाद करें, प्रभु ने कहा।"

176 "अब आइये, हम जब ठीक यहां अपने स्थानों में बैठे हुए है, एक दूसरे से परामर्श करें। मैं तुम्हारे बराबर में बैठा हूं। मैं तुमसे बात कर रहा हूं।"

177 "परंतु, प्रभु, मैंने पाप किया है," पापी कहता है। "मैंने बहुत कुछ किया है। प्रभु, मैं—मैं विश्वास नहीं करता कि आप मुझे क्षमा कर सकते है। मैं एक शराबी हूं। मैं एक वेश्या हूं। ओह, मैं एक बदनाम व्यक्ति हूं। प्रभु, मैं विश्वास नहीं करता कि मेरे लिए कोई अवसर है।"

178 तब हम उन सुन्दर वचनों को वापस आते सुनते है, "यदपि तुम्हारे पाप लाल रंग के भी हो, तो भी वे हिम के समान श्वेत हो जायेंगे। चाहे वे अर्गवानी लाल रंग के हो; बहुत से बालकों के जन्म लेने के पहले ही उनका जीवन समाप्त कर दिया, और—और वे बातें जो भयानक है। यदपि वे किरमिजी लाल रंग के हो, तो वे मेमने के ऊन के समान श्वेत हो जायेंगे।" क्या ही अनुग्रह है! "आओ हम वाद विवाद करें," अब परमेश्वर यह कहता है।

प्रभु, आईये, हम यह परामर्श सभा करें।

179 और—और आप अपने लोगों से बात कर रहे हैं। उन्होंने अपने हाथ उठा रखे है, जो यह दर्शाता है कि आप उनके पास बैठे हुए है। क्योंकि पवित्र वचन में यह लिखा हुआ है, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक कि पहले पिता ही उसे ना खींच ले। और वह सब जो पिता ने मुझे दिया है मेरे पास आयेगा। और मैं उनको अनंत जीवन दूंगा, अंतिम दिन उन्हें जिला उठा खड़ा करूंगा।"

180 प्रभु, अब प्रदान करें, प्रत्येक जिसने अपने हाथ को उठा रखा है, और वे जिन्होंने अपने हाथ नहीं उठाये है, जहां कहीं भी आपका व्यक्तिगत सम्मेलन इस भवन इस समय चल रहा है, लोगों के साथ, होने दे कि वे तेरे क्षमा करने के अनुग्रह को स्वीकार करें और तेरे आत्मा से भर जाये, और तेरे लहू में घुल जाये। और जीवन के अंत में, आप यह कह सकते हैं, "यह बहुत अच्छा किया, मेरे अच्छे विश्वसनीय दास। तू उस प्रातः आठ पेन स्ट्रीट पर विश्वास योग्य रहा, अब प्रभु के आनंद में भागी हो, जो कि तेरे लिए संसार की उत्पत्ति से पहले तैयार किया गया था।"

181 प्रभु, मेरे परमेश्वर और मेरे पिता, मैं इन्हें तुझे देता हूं। मैं इससे अधिक और कुछ नहीं कर सकता। मैं तो केवल आपका प्रचारक हूं, और मैं इससे अधिक और कुछ नहीं कर सकता। यह तेरे है। उनकी आवश्यकता के अनुसार उनके साथ व्यवहार कर पिता, उनके ह्रदय की आवश्यकताओ के अनुसार। हम उन्हें अनुमति... याने तुझे तेरे पुत्र के नाम यीशु मसीह में समर्पित करते है। आमीन।

182 यदि आपने कभी ध्यान दिया हो कि आराधनालय में, मैं कभी लोगों को यह अनुमति नहीं देता कि लोगों को सामने वेदी पर खींच कर लाये। मैं इस में विश्वास नहीं करता। यदि परमेश्वर आपको नहीं लाता, तो इससे किसी का भी भला नहीं होता। "कोई मनुष्य नहीं आ सकता जब तक पिता ही उसे ना खींच। और वे सब जिन्हें पिता... " और पिता आपको खींचता है क्योंकि आपका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में है। "और सब जो उसने मुझे दिया है मेरे पास आयेगा।" चाहे आप अपने बैठने के स्थान में है, सामने वेदी पर जहां कहीं भी आप हैं, आप आयेंगे। यह बिल्कुल सत्य है। यीशु ने ऐसा कहा है।

183 इसलिए मेरे प्रिय लोगों जिन्होंने अपने हाथों को उठा रखा है, अगला कदम जो आपको उठाना है, यदि आपका बपतिस्मा नहीं हुआ है, तो पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेना है। यह डॉक्टर का नुस्खा है, डॉक्टर शमौन पतरस, जिसके पास स्वर्ग की राज्य की कुंजी थी, और आपको बताया कि कैसे प्रवेश किया जाता है।

184 पेंटीकोस्टल के दिन, उन्होंने कहा, "उद्धार पाने के लिए हम क्या करें? "

185 उसने कहा, "तुमसे प्रत्येक प्रायश्चित करें।" जो कि आपने अभी किया है। "तब अपने–अपने पापों से छुटकारा पाने के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मे लो लोगों को," और संसार को दिखाने के लिए कि आप विश्वास करते है (यीशु मसीह के मृत्यु, गाढ़े जाने, और जी उठने में) उसने आपके पाप को ले लिया। "तब आप पवित्र आत्मा का दान प्राप्त करोगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम से और तुम्हारी संतानों, और उनसे है, जो दूर–दूर जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलायेगा।" उस आज्ञा का पालन करो।

186 यदि यह इस आराधनालय में नहीं, उस आराधनालय में, जहां आप आराधना के लिए कलीसिया में जाते है, यह जहां भी हो, अलग ना रहे। जल्द ही विश्वासियों की आत्मिक देह में आ जाए। असम्बली ऑफ गॉड, चर्च ऑफ गॉड, पेंटीकोस्टल वननेस, पेंटीकोस्टल ट्रूनेस, थ्रीनेस, यह जो भी हो जाये। मैं चिंता नहीं करता कि आप कहां जाते है, परंतु जल्द ही उस कलीसिया में पहुंचे। अपनी संगति वहां रखें। यदि वे छोटी–छोटी बातें सिखाते हैं, हो सकता है, जो कि आप; आप नहीं कहते, "अच्छा, भाई ब्रंहम इस प्रकार नहीं सिखाते।" ठीक है, इस इससे कोई अंतर नहीं पड़ता, जो भी है। यदि आपको पवित्र आत्मा मिला है। तो बढ़ते जाये उनके साथ रहे। आगे बढ़े जो भी है। हम—हम सब एक के पास आ रहे है।

187 जब सुलेमान को मंदिर समस्त संसार से तराशा गया, तो इसे सारे विश्व में से तराशा गया, विभिन्न अजीब से पत्थर और हर चीज। परन्तु जब वे मिलने लगे, तो वहां आरी की गुंज या हथौडे की आवाज नहीं थी। मंदिर को बनाने में चालीस वर्ष लगे, परंतु उन्होंने कभी भी हथौड़े की एक आवाज भी नहीं सुनी, या आरी की आवाज। वे बिल्कुल ठीक–ठीक तराशे गये थे।

188 यह सारी महान कलीसिया, जिनके पास पवित्र आत्मा है, एक साथ अपने–अपने सही बैठने के स्थान में एकत्र हो कर, उस दिन यीशु मसीह कर देह में रेपचर के लिए मिलेगी। इसलिए वहीं जाये जहां वे सुसमाचार में विश्वास करते है।

189 अब, मेरे मूल्यवान मित्रों, मैं नहीं जानता कि मैंने आप लोगों का इतना समय ले लिया है। मैं नहीं जानता कि मैं किस समय आया। वह साढ़े नौ

या दस बजे या ऐसे ही कुछ था? दस बजे। मैं नहीं कर सकता... क्या यह वास्तव में इतना लंबा? मैं इसका विश्वास नहीं करने पा रहा हूं।

190 हमारे पास बीमारों के प्रार्थना करने के लिए समय है। हमने उससे यह प्रतिज्ञा की थी। अब, जरा एक मिनट। यदि आप हमें केवल पंद्रह मिनट दे सके। बस... मैं विश्वास करता हूं तब तक पंद्रह मिनट हो, इसलिए मैं अपनी घड़ी से केवल पंद्रह मिनट लूंगा। सुनिए। वहां कुछ नहीं है...

191 जब आप बीमार होते है, तो पहले आपका कर्तव्य है, कि डॉक्टर के पास जाये यह ठीक है। जो भी वह कर सकता है वह करता है। यदि वह और कुछ ना कर सके, तो आपका अधिकार है कि आप बड़े विशेषज्ञ के पास जाये। अब, डॉक्टर के विरोध में नहीं है।

192 मेरे बहुत से बहुमूल्य प्रिय डॉक्टर मित्र है जो मेरे खास है, भले मनुष्य जो परमेश्वर में विश्वास करते है। और मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, और वे भी मेरे लिए प्रार्थना करते है। यह ठीक बात है। वे रोगी को लेते हैं वे उसके साथ कुछ नहीं कर सकते। सही में बहुत से अच्छे डॉक्टर, मैं उनके नाम याद रखता हूं। हो सकता है वे पवित्र आत्मा और चीजों से भरे हुए ना हो, परंतु वे भले मनुष्य है। वे कहते है, "भाई ब्रंहम मैं उस मामले में कुछ नहीं कर सकता हूं, यदि आप इसे ले सकते है।"

193 मैं कहता हूं, "उसे भेजो। मुझे... मैं यह नहीं कर सकता। मैं उसे यीशु मसीह के हवाले कर दूंगा, उसे यहां करने दो।" समझे? इसलिए यह अच्छा है।

194 परंतु, देखिए। यदि कहीं भी, कहीं चंगाई होती है, तो वह मसीह है जो इसे करता है। डॉक्टर तो रुकावट को हटाता है, दांत को निकालिये या— या काटिये, एपिन्ड्स को बाहर निकालिये, कैंसर को काट कर निकालिये, मस्से को काटिये या आपरेशन; या कुछ ऐसा ही, आप में विष डालता है, कि जीवाणुओ को मारे। परंतु परमेश्वर को छोड़ कोई चंगा नहीं कर सकता, क्योंकि फिर से घाव भरने के लिए सृष्टी होनी है। और कोई दवाई सृष्टी नहीं करेगी। समझे? केवल एक ही सृष्टिकर्ता है, वह परमेश्वर है। तब तक भजन संहिता 103, देखिए। सारा पवित्र वचन सच्चा है। "मैं प्रभु हूं जो तुम्हारे सारे रोगों को चंगा करता हूं।" वह यह नहीं कहता कि इसमें डॉक्टर का भाग नहीं है। हां, उसका है। यदि मैं अपना हाथ तोड़ लू तो मेरा कर्तव्य है कि मैं डॉक्टर के पास जाऊं तो यह जानता है कि उस हाथ को कैसे

ठीक–ठीक बैठाया जाये, परंतु वह उस हाथ को चंगा नहीं कर सकता। वह केवल उसे बैठा सकता है, हड्डी को वापस उसी स्थान में बैठाता है। और तब परमेश्वर कैलशियम आदि देता है, और पदार्थ को उत्पन्न करता है, जो मेरे हाथ के अंदर है, जिससे वह फिर बन जाता है। परमेश्वर ही चंगा करने वाला है। समझे?

195 अब, इस सप्ताह हम प्रचार कर रहे थे। यहूदियों के समय में उनकी रीति लोगों के लिए यह थी, कि बीमार पर हाथ रखे, वे यही किया करते थे। हर चीज के लिए हाथों को रखते थे। हर चीज के लिए हाथों को रखते थे। यह यहूदियों की व्यवस्था थी। परंतु अन्यजातियों के साथ, ऐसा कभी भी नहीं था। जब याईर की लड़की, (एक यहूदी याजक), जब वह मर गयी, तो उसने यीशु से कहा, "चल कर, मेरी पुत्री पर हाथ रख दे और वह जीवित हो जायेगी।" अपना हाथ उस पर रख।

196 परन्तु जब वह रोगी सूबेदार के पास गया, उसने कहा, "मैं इस योग्य नहीं कि तू मेरी छत तले आये। जहां तू खड़ा है वही रहा और केवल वचन बोल दे।" उसने उस अधिकार को जो यीशु के पास था पहचाना। उसने कहा, "मैं एक पराधीन मनुष्य हूं, मेरे पास भी... " वह एक सूबेदार था। इसका अर्थ—इसका अर्थ सौ मनुष्य उसके अधीन। उसने कहा, "यदि मैं इस मनुष्य से कहूं, '*यह* कर,' तो वह करता है। और उस मनुष्य, '*वह* कर,' तो वह करता है।" उसने कहा, "तेरे पास हर बीमारी के ऊपर अधिकार है, और हर कष्ट, और हर चीज। वे सब तेरी आज्ञा के अधीन है। तू महान अधिकारी है।" ओह, मुझे यह पसंद है।

197 इसने यहां तक कि यीशु के ह्रदय को छू लिया। और तब वह यहूदी लोगों की ओर घूमा, और उसने कहा, "मैंने इस्राएल में भी ऐसा विश्वास नहीं पाया।"

198 सरफूनी स्त्री एक अन्यजाति, यूनानी उसके पास आई, और कहा, "प्रभु, मेरा एक बालक यहां पड़ा हुआ है, प्रेत आत्मा उसे बहुत परेशान कर रहा है।" शायद वह मिर्गी या कोई इसी प्रकार की मस्तिष्क अव्यवस्था थी। कहा कि, "वह बहुत दुर्दशा में है। क्या आप उसे चंगा करेंगे? "

199 और उसने उसके विश्वास को परखा। "क्यों," उसने कहा, "बालकों की रोटी कुत्तों को देना उचित नहीं।" उसे कुत्ता कहा। और उन दिनों में

कुत्ता उनमें से था... जैसे सूअर के विषय में, वहां की तुच्छ चीज थी। कहां, "मेरा यह खाना कि बालकों की रोटी लेकर, और तुम कुत्तों को दे दूं।"

200 उसने कहा, "प्रभु, यह सत्य है।" ओह, मुझे यह पसन्द है। "यह सत्य है।" कहा, "परंतु, तू जानता है, कि कुत्ते, मेज के नीचे से बालकों के चूर चार को खाते है।" इस बात ने उसे छू लिया।

वह बोली "जैसे तूने उस दिन किया था, हेटी सही बात।

201 वह घूमा और वो बोला, "इस बात के कारण जा प्रेतात्मा तेरे बालक को छोड़कर चली गई।" उसे वहां जाकर उसकी पुत्री पर हाथ नहीं रखने पड़े।

पेंटीकोस्टल के दिन, जब पवित्र आत्मा उतरा...

202 फिलीपुस सामरिया को गया। वे आधे यहूदी थे, इसलिए, जब वह वहां पहुंचा, उसे उन पर हाथ रखने पड़े कि पवित्र आत्मा पाये। तब तक पवित्र आत्मा उनमें से किसी पर नहीं उतरा था, इसलिये उन्होंने पतरस को बुलवा भेजा। उन्होंने यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया था, इसलिए उन्होंने यरूशलेम से, पतरस और यूहन्ना को बुलवा भेजा मुख्यालय से। और उन्होंने आकर और उन पर हाथ रखे, और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया। तब पतरस कुरनेलियस के घर गया... देखिए, उसे उन पर हाथ रखना पड़ा। देखिये, प्रेरितो के काम 19, इफिसुस में यहूदियों का झुण्ड उसे उन पर हाथ रखना पड़ा, और उन्होंने पवित्र आत्मा पाया।

203 परंतु जबकि वह कुरनेलियस के घर पर था, "जब वह यह वचन बोल ही रहा था, पवित्र आत्मा उन पर उतरा।" कोई हाथ नहीं रखे गये। जब उन्होंने सत्य सुना, पवित्र आत्मा उन पर उतरा। वे भूखे थे और इसकी प्रतीक्षा कर रहे थे।

204 क्या आज प्रातः आप ऐसे ही चंगाई के लिए भूखे हैं? तो फिर पवित्र आत्मा ही बोले, यदि यीशु कल, आज और सर्वदा एक सा है। आप विश्वास करते हैं? क्या उसने कहा, "जो काम मैं करता हूं तुम भी करोगे"? उसने उन लोगों पर कैसे प्रकट किया कि वह उनका मसीह है, यहूदी मसीह? उसने यहूदियों के साथ इसे कैसे किया? उनके ह्रदय के गुप्त विचारों को बता कर। उन्होंने उसे पहचान लिया, वह मसीह। कितने जानते हैं कि यह सत्य है? निश्चय ही।

205 जब पतरस आया, और उसने कहा "तेरा नाम पतरस है।" और कहा... या "मेरा नाम शमौन है।" कहा, "तू पतरस कहलायेगा। तेरे पिता का नाम योना है।" यह तय हो गया। वो जान गया कि वह मसीह था।

206 जब फिलिपुस ने जाकर नतनेएल को खोजा, उसने कहा, "तू... तू एक भला, ईमानदार व्यक्ति है।"

उसने कहा, "अब, रब्बी, तू ने मुझे कब जाना? "

207 कहा, "इससे पहले कि फिलीपुस ने तुझे बुलाया, जब तू पेड़ के तले था, मैंने तुझे देखा।" पहाड़ के उस ओर पंद्रह मील एक दिन की यात्रा, "मैंने तुझे देखा"

उसने कहा, "तू परमेश्वर का पुत्र है, इस्राएल का राजा है।"

208 वह सामरियो के पास गया, उसे उस ओर से होकर जाना ही था। क्यों? वह सामरियो के पास गया। और वहां एक सामरी स्त्री थी, और इसलिये उसने सोचा कि वह सामरियो को एक मसीह का चिन्ह देगा। और उसने कहा, "जा अपने पति को बुला कर ला और यहां ला।"

उसने कहा, "मेरा कोई पति नहीं है।"

उसने कहा, "तूने ठीक कहा, क्योंकि तू पांच कर चुकी है।"

209 उसने कहा, "श्रीमान," दूसरे शब्दों में इस प्रकार से, "हम मसीह के आने की राह देख रहे है, और वह एक परमेश्वर भविष्यवक्ता होगा। और हम जानते हैं, जब वह आता है, तो वह हमें यह बातें बता देगा। इसलिए, तुझे भी इसी प्रकार का भविष्यवक्ता होना चाहिए।"

उसने कहा, "मैं मसीह हूं। मैं वही हूं जिसके विषय में तू बात कर रही है।"

210 उसने जल का घड़ा छोड़ दिया, एक वेश्या और निराश, वह कैसी दशा में थी और नगर को दौड़ गयी, और उन लोगों से कहा, "आओ, देखो एक मनुष्य जिसने मुझे बताया कि मेरे हृदय में क्या है। क्या यही तो मसीह नहीं? क्या यही तो वह मसीह नहीं? "

211 उसने कभी भी ऐसा अन्यजातियों के साथ नहीं किया। नहीं, श्रीमान। यह उनका दिन था, जब सांझ के उजियाले।

212 अब यहूदी अपने देश में है, कि संसार को वश में करें। एक समय उन्होंने किया। वे वापस आ रहे है। उस अंजीर के पेड़ को देखो जो अपनी

कलियां निकाल रहा है। आप यहूदी पर ध्यान दें, वह जहां कहीं भी हो आप परमेश्वर के कलेण्डर को पायेंगे। वह कभी भी इस्राएल को नहीं छोड़ेगा। परंतु इस्राएल को अन्धा होना था। मैं यह इन यहूदियों को आधार मान कर नहीं कह रहा हूं जो यहां पर बैठे है। परंतु इस्राएल को अंधा होना ही था, ताकि हमें अवसर मिले। उनसे प्रेम करता है। आप चिंता ना करें, वे फिर से खिलेंगे। "जो कुछ गाजाम नाम टिड्डी से बचा, उसे अर्बे नाम टिड्डी ने खा लिया। जो अर्बे नाम टिड्डी से बचा, उसे येलेक नाम टिड्डी ने खा लिया। परंतु प्रभु ने कहा, मैं तुम्हें सब लौटा दूंगा।" यह केवल एक अवधी के लिए खा लिया, ताकि हमें भीतर लाया जा सके। हमारी आंखें खुली हुई है।

213 अब यह क्या है? हमारे दिन समाप्त हो रहे हैं। यहूदी फिर एकत्र होना आरंभ हो गये हैं, जैसा की परमेश्वर ने कहा। और सांझ के उजियाले चमक रहे हैं, किस पर? सांझ में उजियाला कहा चमकता है? पश्चिम की ओर। पूर्व में यह यहूदियों पर चमकता है, पूर्वी लोग, आरंभ में। यह नामधारी वर्गों का अंधकार भरा दिन था और आदि–आदि, परंतु सांझ का उजियाला अन्य जातियों पर चमकेगा, पश्चिमी गोलार्ध। हम अब यहां अंत में है। हम—हम पश्चिमी किनारे पर है। यदि आप थोड़ा आगे बढ़ेंगे, तो आप फिर से पूर्व की ओर वापस जायेंगे। सभ्यता की यात्रा इसी प्रकार है। इसलिए सांझ के उजियाले चमक रहे हैं, "यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

हम प्रार्थना करें।

214 अब प्रभु ये सब तेरे है। "वचन का विश्वास परमेश्वर के वचन के सुनने से होता है।" और, परमेश्वर, आप अपने वचनों को लोगों पर यह सिद्ध करने के लिए प्रकट करते है कि आप परमेश्वर है। अब आज इस प्रातः यह मालूम हो जाये कि आप परमेश्वर है, और मैं आपका दास हूं, उन्हें अनंत जीवन का सत्य बता रहा हूं। यीशु मसीह हमारे प्रभु के द्वारा हम मांगते है। आमीन।

215 मैं विश्वास करता हूं, कि बिली ने मुझे वहां बताया है कि प्रार्थना पत्रों का एक—एक बड़ा गट्ठर है, यहां बहुत से लोग है। आप यह जानते हैं कि हम सब लोगों को ऊपर नहीं बुला सकते हैं, यह सिद्ध करने के लिए—के लिए या केवल आप देख सके। अब, परमेश्वर को यह नहीं करना है। और प्रत्येक यह जानता है?

216 जब यीशु पृथ्वी पर था तो उस प्रत्येक को चंगा नहीं करना था। क्या आप यह जानते हैं? परंतु उसने यह किया ताकि वह पूरा हो सके जो भविष्यव्यक्ता के द्वारा बोला गया था। क्या यह ठीक है?

217 वह यह करता है, ताकि वचन पूरा हो सके, "जैसा सादोम के दिनों में था, ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।"

218 आप देखते है, सदोम के दिन में उनके पास उनके बिली ग्राहम और ओरल रोबर्ट थे। उनके समान लोग नीचे गये और उस नगर में सदोमियो को प्रचार किया।

219 परंतु चुना हुआ अब्राहम और उसका झुंड बाहर बुलाया गया झुण्ड था। बाहर एक ओर किस प्रकार का स्वर्ग दूत पीछे रुक गया और उन्हें प्रचार किया? ध्यान दें। वह मनुष्य वहां बैठा था, कहा कि वह किसी बहार देश का परदेसी था। उसके कपड़ों पर धूल थी। उसने बछड़े का भाग खाया, और उसकी मां से दूध पिया, कुछ मक्के की रोटियां, अब्राहम के साथ खाई। जबकि हो सकता है वहां मक्खियां हो उन मक्खियों को उड़ा कर भगा रहा हो, जबकि वह यह कर रहा था, वहां बैठा हुआ खा रहा था। और उसके पश्चात जब वह चला गया... अब्राहम ने उसे, "एलोहिम, सर्वशक्तिमान।" कह कर पुकारा। परंतु वह एक मनुष्य था; परमेश्वर अपने लोगों में। अब देखिए उसने क्या किया, वह कैसे जानता है। उसने वहां बैठकर अब्राहम से बातें की। उसने कहा... अब, वह पहली बार अब्राहम से मिला, अब्राहम ने उसे पहली बार देखा, और जानबूझ कर।

220 और यह दोनो पुरुष नीचे सदोम में जाने वाले थे। और उन्होंने नीचे जाकर वहां प्रचार किया, और लोगों को अंधा के दिया। क्या सुसमाचार का प्रचार यह नहीं करता कि अविश्वासियो को अंधा कर दें? ध्यान दें।

221 परंतु यह वाला अपनी चुनी हुई कलीसिया के साथ पीछे खड़ा रहा, अब्राहम और उसका झुंड, खतना किये हुये, वह वास्तविक वाले। उसने कहा...

222 लूत वह—वह था जो नगर में था, और उसका शानदार समय। और देखिये कि उसकी पुत्रियां कैसी थी, और उसके पुत्र कैसे थे और आदि–आदि। ऐसे ही जैसे आज का संसार, सदोम, पाप और हर चीज। यह नाम की कहलाने वाली कलीसिया।

223 परंतु आपने कलीसिया बाहर बुलाया हुआ झुंड है, अलग किया हुआ। उनके पास किस प्रकार का दूत आया? अब हम इस पर ध्यान दें। अब, स्मरण रखें, आपके प्रभु ने कहा, "जैसा यह तब था ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा।" यीशु ने ऐसा ही कहा। "स्वर्ग और पृथ्वी टल जायेंगे, परंतु मेरे वचन कभी भी असफल नहीं होंगे।" अब ध्यान पूर्वक सुने और शांत रहे।

224 अब इस स्वर्ग दूत ने अब्राहम से बातें की। उसने कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी सारह कहां है? " उसे कैसे मालूम चला कि वह विवाहित है? उसे कैसे मालूम कि उसके पास पत्नी है? और वह कैसे जानता था कि उसका नाम साराह था? अपरिचित, था कि नहीं?

और अब्राहम ने कहा, "वह आपके पीछे तंबू में है।" हूं–हुंह।

225 उसने कहा, "अब्राहम यह देखते हुये कि—कि तू परमेश्वर पर विश्वास करता है, और तू संसार सारी अन्यजातियों का स्वामी होने जा रहा है, और सारे के सारे तेरे वंश के द्वारा राज्य में लाये जायेंगे, तेरे द्वारा... तुझसे प्रतिज्ञा की गई है, मैं कोई भी प्रतिज्ञा ना रखुंगा–... अब्राहम कोई भी बात तुझसे ना छिपी होगी।" ओह, मुझे यह अच्छा लगता है। "मैं तुझसे यह ना छिपाऊंगा, अब्राहम, परंतु तूने मुझ पर विश्वास किया है, उस बालक के लिए, पच्चीस वर्षो तक। अब तू सौ वर्ष का है और नब्बे वर्ष की है। परंतु, अब्राहम, जीवन के समयानुसार... " इस मिली–जुली सभा में आप जानते है कि मेरा क्या अर्थ है, वे अट्ठाइस दिन। उसका पच्चास वर्षो या अधिक से रुक गया था, जी हां, साठ वर्षो पहले। कहा कि, "साराह के साथ जीवन के समय अनुसार, मैं तुझे फिर मिलने आऊंगा, और तू उस बालक को जन्माने जा रही है।"

226 और साराह, उसके पीछे तंबू में, पर्दा पड़ा था, अपने आप में हंसी। बस... [भाई ब्रंहम शान्त हंसी की नकल करते है—सम्पा।] और अपने आप में कहा, "क्या मुझे अपने स्वामी के साथ यह सुख मिल सकता है? " आप अपने पति को क्या कहती है? "क्या मुझे अपने पति के साथ फिर से यह आनंद मिल सकता है, यह देखते हुये कि मैं बूढी हूं, और वह भी बूढ़ा है? "

227 और स्वर्ग दूत ने अपनी पीठ घुमायी, और कहा, "साराह तू क्यों हंसी? किस ने उसे हंसाया? " क्या आप नहीं देखते? किस प्रकार का आत्मा किस

प्रकार का वह एक स्वर्ग दूत, क्या वह वहां चुनी हुई कलीसिया से भेट कर रहा था?

228 अब, यीशु ने कहा कि ठीक यही बात उसके आगमन के पहले होगी। यह उसके आगमन का एक चिन्ह होगा।

229 आइये हम प्रार्थना पंक्ति को बुलाये। जो प्रतिज्ञा उसने की है। वह उसे बनाये रखता है। अब, वहां, वहां कहीं मुझे पांच या छह लोगों को बुलाना है, जितने भी यहां खड़े हो सकते है। बाकी आप सब लोग केवल विश्वास करें। ध्यान दें। यदि आपके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, और यहां आ गये है, इससे कुछ भी मतलब नहीं है। मैं आपको चुनौती देता हूं। यहाँ पर क्या...

230 यहां पर अब्राहम के वंश ने क्या किया, यीशु, जब वह पृथ्वी पर था।

231 एक दिन, वह लोगों की भीड़ में से होकर निकल रहा था। और वे सब कह रहे थे, "अरे, रब्बी। शुभ प्रातः, डॉक्टर। आदरणीय, आप कैसे है? आदरणीय, आप से मिल कर प्रसन्नता हुई। आपको यहां पाकर प्रसन्नता हुई। जबकि हम यहां पर है तो हम एक प्रार्थना सभा करने जा रहे है? "

232 और एक निर्धन साधारण महिला की एक आवश्यकता थी इसलिए वह भीड़ में उसका वस्त्र छूने के लिए घुस गयी। क्योंकि वह अपने ह्रदय में कहती थी, "यदि मैं इस पवित्र मनुष्य को छू लू।" देखा? उसका विश्वास। समझें? "यदि मैं उसे छू लूं, तो मैं चंगी हो जाऊंगी।" इसलिए उसने उसे छुआ, और वह पीछे से भीड़ में घुसी। उसने कहा, "ओह, मैं निश्चित हूं कि मैं चंगी हो गयी हूं, क्योंकि मैं यह विश्वास करती हूं। मैं जानती हूं कि मैं चंगी हो गयी हूं। मैं—मैं विश्वास करती हूं कि मेरा लहू बहना अब बंद हो गया है। मैं बस यह विश्वास करती हूं।"

233 यीशु रुका, और बोला, "कहा, किसने मुझे छुआ? " क्या प्रश्न है!

234 दूसरे शब्दों में, पतरस ने कहा, "प्रभु तुझे क्या हो गया? " बाईबल ने बताया कि उसने उसे डांटा। कहा, "इससे तेरा क्या मतलब है? क्यों, तुझे तो सब छू रहे है! तू यह कैसे कहता है... तू, मसीह होने के नाते, क्या तुझे डर लगता कि इन लोगों के सामने तू स्वयं को गिरा रहा है, 'मुझे किसने छुआ? ' और मैं शर्त से कहता हूं पिछली मिनट में तुझे पांच सौ ने छुआ। तू ऐसी बात को अब क्या कहेगा? "

235 उसने कहा, "परंतु यह छूना भिन्न था। मुझे अंदर से निर्बलता का अनुभव हो रहा है।" ईश्वर दत्त गुण कोई भी जानता है ईश्वर दत्त गुण सामर्थ है। "मैं निर्बल हुआ हूं। मुझ में से शक्ति निकली है।"

236 और उसने चारों ओर इधर–उधर देखा। देखिए, वहां कहीं विश्वास था। उसने चारों ओर देखा, उसने एक साधारण सी महिला को देखा। उसके अंदर पवित्र आत्मा भरपूरी में था, उस साधारण महिला की ओर निर्देशित किया। कि उसे लहू बहना का रोग था, उसने कहा, "तेरे विश्वास ने! अब, मैंने तुझे कभी चंगा नहीं किया। मेरा तेरे से कभी कोई सरोकार नहीं, परंतु तेरा विश्वास," (किस में?) "परमेश्वर में, जिसको मैं प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, तेरे विश्वास ने तुझे चंगा किया।"

237 अब, बाईबल यह कहती है कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। वह सिद्धान्त में वैसा ही है, सामर्थ मैं वैसा ही, विचार भाव में वैसा ही है। वही परमेश्वर जो मसीह में रहा, कलीसिया में रहता है, इसका उतना नहीं। उसमें परिपूर्णता में था, या हम में हिस्से से। परंतु समुद्र में से आपके पास एक चम्मच पानी हो, वही रसायन जो पूरे समुद्र में है, चम्मच में है। आपको स्मरण है। यह ठीक बात है। यह वही परमेश्वर है।

238 अब, हिब्रू में बाईबल कहती है, उसने कहा कि, "यीशु मसीह इस समय महायाजक है जो कि हमारी निर्बलता की भावनाओं से छुआ जा सकता है।" आप में से कितने यह जानते हैं? अच्छा, यदि वही महायाजक है, तो क्या वह वैसे ही व्यवहार ना करेगा यदि वह छुआ गया था?

239 हम क्या है? उसका मुंह। हम स्वयं को उसे समर्पित करते है, और हमारे शब्द हमारे शब्द नहीं है। "कुछ ना सोचे कि आप क्या कहेंगे, क्योंकि यह आप नहीं बोल रहे है। यह पिता जो आप में है। वह बोलता है।"

240 कहीं से भी, वह कहां था, बिली, एक से पचास, या एक से सौ? [भाई बिली पॉल कहते है, "सौ।"—सम्पा।] एक से सौ।

241 अक्सर, लोग पहले पत्र के लिए एकत्र होते हैं, इसलिए हम एक मिनट के लिए। उसे छोड़ देंगे हम किसी अलग से अंक से आरंभ करेंगे, चलिए, तीस। प्रार्थना पत्र किसके पास है? अपना हाथ उठाये।

242 अक्षर क्या—क्या है? [भाई बिली पॉल कहते हैं, "बी।"—सम्पा।] बी, बी तीस। ठीक है।

243 अपनी–अपनी जेबों में देखें, अपने प्रार्थना पत्र को निकाल ले। और यदि वहां... [एक भाई कहता है, "वहां है।"—सम्पा।] अच्छा, सुनिए, यदि कोई तीस नहीं है, क्यों, तब हम कहीं और से आरंभ करेंगे। हम—हम आरंभ करेंगे... [भाई बिली पॉल कहते है, "ठीक वहां, पीछे है।"] क्या कहा? [भाई नेविल कहते हैं, "वहां वह है।" भाई बिली पॉल कहते है, "पीछे, उलटे हाथ की ओर।"] ओह, मुझे खेद है। मुझे खेद है। ठीक है। श्रीमान, आप यहां आ जाए।

244 इकतीस। प्रार्थना पत्र इकतीस, किसके पास है, क्या आप अपना हाथ उठायेंगे? इकतीस। श्रीमान, यहाँ आ जाये। बत्तीस। किसके पास बत्तीस का प्रार्थना पत्र है? आप, नौजवान महिला? तेंतीस। किसके पास तैंतीस प्रार्थना पत्र है? क्या आप अपना हाथ उठाएंगे? यह महिला, यहाँ। तो ठीक है, बहन। तेंतीस। चौंतीस। चौंतीस प्रार्थना पत्र के लिए? आप श्रीमान? पैंतीस। छत्तीस। छत्तीस। छत्तीस प्रार्थना पत्र किसके पास है? क्या मैंने इसे छोड़ दिया?

आपके पास छत्तीस है, नौजवान महिला? सैंतीस। यह महिला यहाँ उलझी हुई थी। पता लगाये... आपका प्रार्थना कार्ड नंबर क्या है? देखें कि वो कहां पर है। [बहन कहती है, "पैंतीस।"—सम्पा।] पैंतीस। मुझे क्षमा करे, महिला। तो ठीक है, अपनी जगह को ले। वहां पर भाई लोग आपको वहीं रखेंगे जहां आपको होना है।

सैंतीस, अड़तीस, उनतीस, चालीस। आइये उन्हें ऊपर खड़े होते हुए देखे। अभी तीन हैं। अड़तीस, उनतालीस, चालीस। उनतालीस, चालीस। एक, दो, तीन, चार, पांच, छह, सात, आठ, नौ, मैं सोचता हूँ कि बस इतना ही। चालीस, इकतालीस, बयालीस, तैंतालीस, चौवालीस, पैंतालीस। वे प्रार्थना कार्ड वालो को सामने आने दें: प्रार्थना कार्ड, पैंतालीस तक, तीस से पैंतालीस तक।

अब, यदि आप उठ नहीं सकते हैं... क्या आपके पास प्रार्थना पत्र है, श्रीमान? आपके पास है, तो ठीक है, वहाँ पर जाये। मैं नहीं देखता लेकिन एक अपंग व्यक्ति है। वो यहां पहिये वाली कुर्सी पर बैठा हुआ हैं। अब, यदि उनमें से कोई भी बिना प्रार्थना कार्ड के है, तो अब, हम नहीं जानते... मैं समझता हूं कि मैं वहां भीड़ कर रहा हूं, इसलिए मैं... ठीक है। तो ठीक है।

मैं—मैं—मैं रुक जाऊंगा, बस एक मिनट में। तो ठीक है। यहां पर हमारे पास कोई जगह नहीं है, देखिए, इसे व्यवस्थित रूप से करने के लिए।

245 अब, यहाँ कितने लोगों के पास प्रार्थना पत्र नहीं है, और फिर भी, आप बीमार हैं, और आप चाहते हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करे? अपना हाथ उठाये। खैर, यह व्यावहारिक रूप से हर जगह है, मैं सोचता हूं, बस हर जगह।

तो ठीक है, अब, मैं आपसे पूछने जा रहा हूँ, यदि आप चाहे, तो इन अगले कुछ मिनटों के लिए... जो कि, मैंने अब अपने समय को ले लिया है।

लेकिन, यहाँ ये बलपरीक्षा है कि यह वचन सही है या नहीं! यह साबित करता है!

अब, मैं चाहता हूँ आपका ध्यान पूरा–पूरा मेरी ओर हो।

यहां पर कोई भी जानता है कि, यदि मैं कर सकता, तो मैं आप में से प्रत्येक को चंगा कर देता। लेकिन बाईबल ने कहा, कि, "मैं प्रभु तेरा परमेश्वर हूं, जो तेरे सब रोगों को चंगा करता है।" यह एक विश्वास पर आधारित है। ये सारी बातें जो मैं ने इस सप्ताह प्रचार की है, अब इस समय तक, और अपने जीवन में, ये कलवरी में मसीह के समाप्त किये गए कार्यों पर आधारित है। यदि आप इस पर विश्वास करते हैं, तो परमेश्वर केवल इतनी ही मांग करता है: "यदि तू इस पर विश्वास करता हैं, तो तेरे पास वह होगा जो तुम मांगते हो।"

अब, जहाँ तक चिन्हों और अद्भुत कार्यो के प्रकट होने की बात है, उसने इसकी प्रतिज्ञा की है। सबसे पहले, वो कलीसिया में नियुक्त करता है (क्या?) प्रेरितों, भविष्यद्वक्ताओं, शिक्षकों, प्रचारकों, पास्टरो को। यही कलीसिया में परमेश्वर का नियुक्त क्रम है, ताकि संतों को सिद्ध करे।

अब, मैं चाहता हूं कि आप में से हर एक जन मेरी ओर अपना पूरा–पूरा ध्यान दें।

अब, उस प्रार्थना पंक्ति में लगभग एक व्यक्ति है जो मैं सोचता हूँ कि उसे मैं जानता हूँ। और वह सफेद सूट वाला व्यक्ति है। मैं उसका नाम नहीं ले सकता। लेकिन मैं—मैं विश्वास करता हूं कि वह कहीं से है, लगभग, कैरोलिना या कहीं और आसपास है। मैं... वह एक कार का व्यापारी या कुछ

और है। मैंने उस से बात की है। मैं तो उसका नाम तक नहीं जानता। परंतु मैं... और खुले तौर पर, मैं—मैं नहीं जानता कि उसके पास क्या मामला है। ... परमेश्वर यह जानता है। उसके साथ क्या गड़बड़ है मैं आपको नहीं बता सकता। परंतु मैं सोचता हूं बाकी वे सब मेरे लिए अपरिचित है। मैं उन्हें नहीं जानता।

246 आप में से कितने हैं जो जानते हैं कि मैं आप के विषय में कुछ नहीं जानता? अपने हाथों को उठाये। जी हां, श्रीमान। बाईबल कहती है, "जब पवित्र आत्मा आता है, तो वह... " (पहली चीज, जो पवित्र आत्मा करेगा क्या?) "... जो मैंने तुम्हें सिखाया है उन बातों को प्रकट करेगा।" क्या यह ठीक बात है? तब फिर वह क्या करेगा? "आने वाली बाते तुम्हें दिखायेगा, ह्रदय के गुप्त बातों को प्रकट करेगा।" वह उन्हीं कार्यो को करेगा जो यीशु ने किये।

247 अब, आप में से कितने यह विश्वास करते हैं कि यीशु ने कलवरी पर उद्धार और चंगाई की योजना को पूरा कर दिया? निश्चय ही। इसलिए, जहां तक की यह पूर्ण हो गया है, है कि नहीं? यह पूरा हो चुका।

248 परंतु केवल एक बात है जो वह कर सकता है कि आपको चौंका दें, या आपको उस समझ तक लेकर आये कि वह अब भी परमेश्वर है और अपनी प्रतिज्ञा पर अटल है। इसलिए, ऐसा करने में, वह प्रचारकों का अभिषेक करता है। यहीं वे भले मनुष्य चारों ओर यहां खड़े है, और बहुत से वहां पीछे। वह उन्हें प्रचार के लिए अभिषेक करता है। मैं प्रचारक के लिए एक निर्बल एवजी हूं। आप देखिए बजाये इसके, वह मुझे *यह* मेरे प्रचार के लिए देता है। क्योंकि, मैं अशिक्षित हूं और कुछ नहीं जानता, आप जानते हैं मेरा शिक्षित होने से क्या अर्थ है, या कुछ भी, या एक छात्र। परंतु वह उन मनुष्यों को यह करने का सौभाग्य देता है, और वे प्रेरणा में उठकर और प्रचार करते है। ओह, जो मैं एक घंटे में कहता हूं उसे वे पांच मिनट में कह सकते हैं क्योंकि उस प्रेरणा में, एक तोप के समान या एक मशीन गन के, इसे फटाफट लेते हुए ले आते है, जैसे कि बारी–बारी हथौड़ा चलाता है। समझे?

249 देखिए मेरा वरदान कुछ और है: मुझे अपना समय लेना होता है, और जो ध्यान करना होता है... और प्रतीक्षा करते हुए और देखते हुए और देखते, हुए कि पवित्र आत्मा अगला क्या बताता है। और देखिए, यह

बिल्कुल मेरी लाइन में नहीं है। लेकिन फिर भी, मैं यह करता हूं, ताकि सभा के लोगो को तैयार करूं, और उन्हें यह बताऊं कि मसीह के बारे में मेरा क्या विचार है।

आम तौर पर सभाओं में, मेरे पास मेरे लिए कुछ अच्छे प्रचारक होते हैं। लेकिन अब, अब समय आ गया है; यह वह घडी है, जब वचन का प्रचार किया गया है: फिर इसके बारे में क्या? यदि यह सिर्फ प्रचार ही है, तो आप चले जाते हैं, ठीक है, आप इसे नहीं जानते हैं। लेकिन यदि वह वहां पर आकर यह साबित करता है कि जो कुछ उसने कहा वह सत्य है, फिर, भाई, यह उसके बाद आपके ह्रदय में है। यह सही है, यह आप हो।

अब, यदि पवित्र आत्मा आज सुबह श्रोतागण के बीच आएगा, और जैसा उस ने यीशु मसीह में रहते हुए किया, ठीक वैसे ही करें, तो यहां कितने लोग विश्वास करेंगे, कि परमेश्वर एक समय हमारे ऊपर था; उसके बाद हमारे साथ था, मसीह के अंदर; अब हम में है, कलीसिया में है? निश्चय ही।

अब, यदि आप अभी देख सकते हैं, यदि आप एक सच्चे विश्वासी हैं, तो आपको आप के ऊपर हाथ रखने की आवश्यकता नहीं है। "जब पतरस ने इन शब्दों को बोला, तो पवित्र आत्मा उन पर उतर आया।" समझे? "मुझे आवश्यकता नहीं है, आकर मेरे सेवक पर हाथ रखूं: बस वचन को कहो, और बस इतना ही आपको करना है।" देखें कि क्या आप अब अब्राहम के बीज हैं। बाकी का काम परमेश्वर को करने दे।

स्वर्गीय पिता, एक मनुष्य की नाई, एक सेवक के रूप में, यही मेरा समाप्ति का शब्द है। इसके बाद आप ही बोले, प्रभु। ऐसा ही हो, कि वे जान लें कि आप लोगों के बीच में परमेश्वर हैं। यीशु के नाम में, आमीन।

250 अब, एक मनुष्य के नाई, यहाँ एक मनुष्य है जैसे, तो, मैं कहूंगा, कि, जब नतनेएल यीशु के सामने आया। जहाँ तक मैं जानता हूं, हम कभी नहीं मिले; हम एक दूसरे के लिए अजनबी हैं। लेकिन परमेश्वर व्यक्ति को जानता है, मैं उसे नहीं जानता। मैं याद करता हूं मैंने उसे कभी नहीं देखा, ना कि ऐसा कहीं तो रास्ते पर देखा होगा, और ना यहाँ बाहर उससे मिला हूं, ना हाथ को मिलाया हो या कहा हो, "आप कैसे हैं, महोदय?" या कुछ तो और, एक सुबह को, जहाँ तक जानता हूँ। लेकिन परमेश्वर मनुष्य को जानता है। अब, यदि यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है,

तब उसके पास... यदि यह मनुष्य बीमार है, चंगाई की बात आती है, तो वह पहले ही इसे कर चुका है। यीशु पहले ही पूरा कर चूका है। परंतु किसी भी तरह से उसे विश्वास करवा ले, कि यह जान जाये कि यीशु मसीह ठीक यहां पर है।

251 अब यीशु ने क्या कहा? "जैसे कि चिन्ह सदोम में था, ऐसे ही अंत के दिनों में किया जाएगा।" "जो काम मैं करता हूं," यह दर्शाते हुये कि वह वही है जो अब्राहम के साथ था। "इससे पहले कि अब्राहम था, मैं हूं।" वह वही स्वर्गदूत था। और यहां पर, वह... यहां पर है, यहां इस प्रातः वही स्वर्ग दूत, हम में रह रहा है।

252 अब, वह मनुष्य एक—एक धोखेबाज हो। वह ढोंगी हो सकता है। वह नास्तिक हो सकता है। वो एक—एक संत हो सकता है। वह, मैं इनके विषय में कुछ नहीं जानता। यह केवल यहां खड़ा है। परन्तु यदि वह पवित्र आत्मा आयेगा और इसे प्रकट करें, तो अब से आगे यही निर्णय ले। वह जानता है। यदि पवित्र आत्मा इन्हें बता सकता है कि इनके जीवन में क्या था, निश्चय ही, वह यदि यह सत्य है तो यह विश्वास कर सकते हैं कि इनके जीवन में क्या होगा। क्या यह ठीक है? यदि यह बता सके कि क्या था, आगे उसके विषय में क्या होगा? अब, यह जान जायेंगे कि यह ठीक है कि नहीं, क्या यह इसी प्रकार था।

253 डॉक्टर, आप इसका विश्वास करते हैं। आप और माता जी, दोनों, आप यह विश्वास करते है। और दूसरा भी डॉक्टर पीछे बैठा हुआ है, स्प्रिंग फील्ड, मिसूरी से। देखा? अब पवित्र आत्मा यहां पर है।

254 वहां सफेद बालों वाला व्यक्ति, वहां एलबन मोटल में ठहरा हुआ है। आप एक ओर से किसी बात से पीड़ित है। आप यहां पर आरंभ से नहीं है, आप केनडा से है। ब्रिटिश कोलंबिया। वेन्कूवर। आप फिनलैंड से आये हैं। किटोस।

255 [भाई कहता है, "किटोस, और परमेश्वर आपको आशीष दे।"—सम्पा।] परमेश्वर आपको आशीष दे। घर जाईये; आप अच्छे है। यीशु मसीह ने आपको चंगा कर दिया।

256 आप विश्वास करते हैं? मैं इस मनुष्य को नहीं जानता। मैं नहीं जानता कि मैंने उनसे क्या कहा। यह पवित्र आत्मा बोल रहा था।

257 दूसरा अपरिचित। मैं इस व्यक्ति को नहीं जानता, मैंने अपने जीवन में इसे कभी नहीं देखा। मैं समझता हूं कि हम अपरिचित है। श्रीमान, क्या यह ठीक बात है? [भाई कहता है, "ठीक है। यह ठीक बात है।"—सम्पा।]

258 मैंने इस व्यक्ति को कभी नहीं देखा, इसके विषय में कुछ नहीं जानता। अब वास्तविक रूप से श्रद्धा भय हो जाए। और यदि मैं इस व्यक्ति के विषय में कुछ नहीं जानता, और प्रभु मुझे इसके विषय में कुछ बताये, तो निश्चय ही इस बात की पुष्टि हो जायेगी कि इसे करने के लिए मनुष्य से कुछ अधिक है। क्या यह ठीक बात है? अब यदि आप वास्तव में श्रद्धामय हो कर देखें, और ध्यान पूर्वक। और जब पवित्र आत्मा आपके ऊपर इस प्रकार टूटता है, तो इसे आप स्वीकार करेंगे। विश्वास करेंगे, अपने संपूर्ण ह्रदय के साथ।

259 एक अपरिचित। पहली बात, आप उद्धार को खोज रहे है। आप शराबी है। यह बिल्कुल ठीक है। आप इस नगर से नहीं है। अब आप दूसरे नगर, इंडियाना नगर से है। जी हां। मैं विश्वास करता हूं न्यू केसल, कुछ इसी प्रकार। बिल्कुल ठीक है। हूं–हुंह।

260 आप जो भी हैं, *किसी के साथ है, दूसरा,* मैं किसी को देखता हूं... आप एक महिला के साथ है, यह संबंधित है... लायल वुड कहां है? यह इनकी पत्नी है। वह अब यहां पर है। वह भी प्रार्थना करवाना चाहती है। जी हां श्रीमान। आप विश्वास करती है कि परमेश्वर मुझे आपकी परेशानी क्या है बता सकता है? ह्रदय रोग। वह अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करेगी, तो वह ठीक हो सकती है।

261 मैं आपके अंदर के उस शैतान को दोषी ठहराता हूं, जो आपको शराबी बनाता है। यीशु मसीह के नाम में घर जाइये, और इसे फिर ना पीये। उसके बहुमूल्य नाम में बपतिस्मा ले, पापों को धोने के लिए। और मैं शैतान को दोषी ठहराता हूं, ऐसा हो कि वह आप में से निकल जाये। आमीन।

262 बढ़ते रहिए। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। अब, आपके पाप क्षमा कर दिये गये है। जाए, और फिर पाप ना करें।

263 परमेश्वर में विश्वास रखें। सन्देह ना करें। अपनी संपूर्णता से जो आप में है विश्वास करें।

264 नवयुवती हम एक दूसरे के लिए अपरिचित है। आप विश्वास करती है कि मसीह हम दोनों को जानता है? यहां पर ऐसा ही है जैसे वह स्त्री कुवें

पर थी, और हमारा बचाने वाला। आप वह नहीं है, ना ही मैं वह हूं। परंतु उसका आत्मा सदा जीवित है। स्त्री, यह युवा महिला यहां पर खड़ी है,... यदि आप इसे देख सकते है, कि उसके और मेरे बीच में यह स्वर्ग दूत की ज्योति यहां पर खड़ी है। परंतु उसके आगे वह छाया है, और वह छाया मृत्यु है, अंधकार। यह एक कैंसर है। और यह कैंसर मलाशय में है। ना ही आप इस स्थान से है। आप एक केन्टेकियन है। लाग्रान्गे केन्टकी से। यह ठीक है। कुमारी जॉनसन को बताया कि वह क्या है। यदि आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करेगी, तो घर जाये, और यीशु मसीह आपको चंगा करता है। आप यह विश्वास करती है? [बहन जॉनसन कहती है, "मैं यह करती हूं।"—सम्पा।]

265 मैं शैतान को जो इस महिला के जीवन को ले रहा है। यीशु मसीह के पुनरुत्थान के आधार पर निकम्मा ठहराता हूं, मैं अब शैतान को चुनौती देता हूं, और उसे बताता हूं वह हारा हुआ है, क्योंकि यीशु मसीह उसे कलवरी पर हरा चुका है। और परमेश्वर के दास के समान, पवित्र आत्मा के अभिषेक में जो प्राधिकार मुझे एक स्वर्गदूत के द्वारा दिया गया है, मैं इस महिला के जीवन के लिए इस शैतान को निकम्मा करता हूं। ओह प्रभु, उसे जीने दे। आमीन।

266 आनंदित और प्रसन्न होते हुये, घर लौट जाये, प्रभु का धन्यवाद करते हुये। अब संदेह ना करें। अपने मस्तिष्क में संदेह ना रखें।

267 महिला, आप इसके प्रति बहुत ही सच्ची और निर्दोष दिखाई पड़ती है। यदि आप यह विश्वास करें तो उस गांठ की परेशानी जिससे आप पीड़ित है, जोड़ों का दर्द, अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें, यह आपको छोड़ देगा।

268 अब, यह साधारण महिला ठीक यहां पर कुछ अनुभव कर रही है, देखिए, क्योंकि उन दोनों के मध्य में आत्मा है। आप, आप भी ठीक है। केवल अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें।

269 और संयोगवश वह छोटी महिला जो वहां उस से अगली वाली है। जी हां, आप जो वहां बैठी है, ऊपर देख कर प्रार्थना कर रही है। हूँ–हुंह। वह पीठ की रोग अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करें। और आप भी, आपको भी पीठ का रोग है। इसलिए आगे बढिये, और अब चंगे होकर घर जाये।

270 आप अपने पूरे हृदय से विश्वास करते हैं? आप यहां अपनी पुत्री के लिये है। आपकी पुत्री पर मृत्यु का साया है। यह कैंसर है। और उसकी आत्मिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। जी हां, श्रीमान। वह ऊपर नीचे अंदर–बाहर और चारों ओर से घुली हुयी है। आप देखें कि जो रुमाल आपके हाथ में हैं? [बहन कहती है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] आप विश्वास करती है कि यह पवित्र आत्मा यहां बोल रहा है? ["मैं करती हूं।"] मुझे यह रुमाल दे दे।

271 प्रभु यीशु मसीह के नाम में, मैं महिला की पुत्री की दशा को निकम्मा ठहराता हूं। उसकी मां के शब्दों पर यह उस पर प्रभावित हो, यीशु के नाम में। आमीन।

272 जाइये; सन्देह ना करें। विश्वास रखें। अब वह घर जा सकती है। उस पर यह रुमाल डाल दे। विश्वास करें। परमेश्वर में विश्वास रखें।

273 वहां एक महिला है, यदि आप उसे देख सकते है। उसने अपनी आंखें बंद कर रखी है। उसका रुमाल उठा हुआ है, प्रार्थना कर रही है, अपनी आंखें पोंछ रही है। बहन, आपने कुछ छुआ है। आपने मुझे नहीं छुआ, परंतु आपने उसे छुआ है। अब, आपको नसें फूलने, महिला रोग, सब प्रकार की उलझने है। यह ठीक बात है, है कि नहीं? यदि यह सही है तो अपना हाथ उठाये। ठीक है। अब घर जाइये, और चंगी हो जाये।

274 उसने क्या छुआ? मैं आपसे पूछना चाहता हूं। किसे, उस महिला ने क्या छुआ? महायाजक को। क्या आप पहचान सकते हैं? यीशु मसीह, परमेश्वर का पुत्र उपस्थित है। "यदि तू विश्वास करें!"

275 आत्मा श्रोतागणों में है। विश्वास कर रहे है। वह अग्नि स्तंभ जो यहां इस चित्र में है, श्रोतागणों में घूम रहा है। यहां एक महिला जो सीधी मेरे ओर देख रही है। यह उस पर ठहरा हुआ है। *इस* प्रकार से हाथ ऊपर है उसके मुंह में रुमाल है। सिर में परेशानी है, एक प्रकार की मस्तिक्षक तांत्रिका की दशा। यह ठीक बात है। क्या विश्वास करते हैं कि मैं उसका भविष्यवक्ता हूं? आप विश्वास करते हैं कि मसीह आपसे बातें कर रहा है? घर जाये, आप इस पर विजय प्राप्त करने जा रहे है। अपने पूरे हृदय से विश्वास करें।

276 वहां जो पुरुष उस महिला के पीछे बैठा हुआ है, उसके साथ कैम्पबेलविले, केन्टकी का कोई और संबंध है। हूं–हुंह। आपको तांत्रिक

का रोग भी है; प्रोस्टेटग्रंथी, उच्च रक्तचाप। और अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते है, श्रीमान? यदि यह बातें ठीक है तो आप अपना हाथ उठायेंगे। आपने क्या छुआ? आपने किसी को छुआ है, महायाजक को जाइये। विश्वास कीजिये, और चंगे हो जाइये।

277 यहां एक महिला भारी वजन की, यहां पर अपने हाथ उठाये बैठी हुयी है उसके चारों ओर। मैं विश्वास करता हूं कि मैं उस महिला को जानता हूं। मैं इसे कहीं पर देखा है। वह प्रार्थना कर रही है। उसके सिर में परेशानी है। और जैसे ही मैंने जब "सिर," कहा, उस दूसरी महिला से अभी कुछ क्षण पहले, तो वह प्रभावित हुई। उसे भी सिर की परेशानी है। मैं इस महिला को कहीं देखा है। मुझे स्मरण नहीं आ रहा है, परंतु मैंने इसे देखा है। ओह, हां, आ गया। अब मैं जान गया, आत्मिक रीति से भी। यह लुईसविले केन्टकी से, रोज ओस्टिन है। अब विश्वास करें। और घर जाये, चंगी हो जाये।

278 मैं आपको जानता हूं। मैं आपके... मैं आपके चेहरे को पहचानता हूं। मैं एक ट्रेलर में, आपके साथ एक—एक साक्षात्कार में था, जहां आपने पवित्र आत्मा पाया था। यह ठीक बात है। आपके ऊपर हाथ रखे, और पाया। इस समय मुझे आपका नाम स्मरण नहीं हो रहा है, परंतु मैं आपको जानता हूं। आपका कार का व्यवसाय है। मैं बस इतना जानता हूं। मेरे पास कोई विचार नहीं है कि आपके साथ क्या परेशानी है। आप, आप यह जानती है। यह ठीक बात है। कोई अनुमान नहीं। यदि परमेश्वर बतायेगा कि क्या परेशानी है, तो वही जिसने आपको पवित्र आत्मा दिया आपको चंगा कर सकता है, आपको आपके ह्रदय की मनोकामना दे सकता है। विश्वास करती है? [भाई कहता है, "जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।] आप यहां अपने लिए नहीं है। यह आपकी स्थिति नहीं है। यह आपके किसी प्रिय के लिए है। यह एक बहन वर्जीनिया में है। पीठ की एक प्रकार की पीड़ा।

279 आपकी पत्नी वहां बैठी हुई है। वह भी आवश्यकता में है। वह विश्वास करेगी, तो पुराना ह्रदय रोग और चीजें उसे अभी छोड़ जायेगी। वो...

280 यह महिला जो ठीक यहां पर है आपसे संबंधित है। यहां आपकी मां है। यह इस बात से चिन्तित है कि उसके पास पवित्र आत्मा है कि नहीं। इन्हें मूत्राशय का रोग भी है, जो इन्हें परेशान कर रहा है, और कुछ और भी है। वहां जो बलिष्ठ डॉक्टर है उसने कहा है, "यह गिरा हुआ गर्भाशय है।" आपका कुछ समय पहले ऑपरेशन होना था। आपका ऑपरेशन ना

होने के लिए *वह* जिम्मेदार है। वह चाहता था कि आप यहां आकर प्रार्थना करवा ले।

281 जो ठीक आपके पीछे खड़ी है आपके रिश्ते में है। वह युवा महिला किसी प्रकार से रिश्ते में लगती है, परन्तु वह विवाह के द्वारा है। विवाह के द्वारा, भतीजी। वह भी अपने उद्धार के विषय में चिंतित है। यह ठीक बात है। और इसे मधुमेह रोग है, एक युवा महिला है। बिल्कुल सही बात है। आप विश्वास करती है? [बहन कहती है, "ओह, जी हां, श्रीमान।"—सम्पा।]

282 आइये अपने हाथ परमेश्वर के लिए उठाये।

283 ओह प्रभु, स्वर्ग और पृथ्वी के रचने वाले, जीवन के रचियता, अच्छे वरदानों के देने वाले अपनी उपस्थिति को अपने लोगों के मध्य में भेज। प्रभु, उसके ह्रदय की इच्छाओं को उन्हें दे। इसके लिये हम आपका धन्यवाद करते है। प्रार्थना कर रहे हैं कि आप इन लोगों को आशीषित और इनकी आवश्यकताओ को प्रदान करेंगे यीशु मसीह हमारे प्रभु के द्वारा। आमीन।

कितने विश्वास करते हैं?

284 मुझे याद नहीं। परंतु, जो भी है यह इस वाली पंक्ति पर चला गया, किसी पर। क्या यह सब सत्य था? अपने हाथ उठाये, जिसने भी आप से बातें की क्या वह सत्य थी? सब सत्य है। तो यह भी सत्य है कि पवित्र आत्मा यहां पर है। क्या यह सत्य है? अब मुझे उसका दास हूं विश्वास कीजिये। मैं जानता हूं... आप बैचैन। थके हुए है। देखा? सन्देह ना करें। अब विश्वास करें कि यह वही है। यह आधी का शब्द है जो पेंटीकोस्ट के दिन आया था, उस ऊपर की कोठरी में, यह वही चीज है जिसने इन लोगों को प्रभावित किया है जब उसे लिया गया, क्योंकि यह वही पवित्र आत्मा है। यह इस समय आपके चारों ओर, और प्रत्येक के पास मंडरा रहा है। बहार, भीड़ में, पवित्र आत्मा आपके मध्य में मंडरा रहा है।

285 कितने... ? मैं चाहता हूं कि आप मेरे साथ ईमानदारी से रहे, जैसे कि इस बाईबल के साथ जो मेरे सामने है। कितने इस विचित्र अनुभव को अनुभव कर रहे हैं कि कुछ उनके आसपास आया है? यही पवित्र आत्मा है। यह वह है। अब मेरा विश्वास करें। कि मेरे शब्द सच्चे है। क्योंकि, परमेश्वर ने अपना सत्य बाईबल के द्वारा समर्थन किया है, इसे उसके पुनरुत्थान की सामर्थ के द्वारा प्रमाणित किया है, विज्ञान अनुसंधान के द्वारा समर्थन किया है, तो फिर सिद्ध करने के लिए और कुछ नहीं है। वो परमेश्वर है।

वह यहां पर है। तो फिर, मेरी सुने। मैं आपको सत्य बता रहा हूं। आप में से प्रत्येक इस समय परमेश्वर की उपस्थिति में है, कि चंगे हो जाये, आप लोगों का समुचित झुण्ड। आप विश्वास करते हैं?

286 अब मैं आपको बताता हूं कि मैं क्या चाहता हूं कि आप करें। मैं केवल यह चाहता हूं कि आप जहां कहीं भी हो प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे के ऊपर हाथ रखे, इसलिए कि आप देखेंगे कि यह मैं नहीं हूं। आप—आप भी वैसे ही प्रभावशाली है। आप विश्वासी है। यदि आप यह अनुभव करते है कि पवित्र आत्मा... आपके ऊपर है, हो सकता है इस प्रकार का वरदान नहीं, परंतु पवित्र आत्मा आपके ऊपर है। कोई, कोई मतलब नहीं कि यह कौन है, किसी के ऊपर हाथ रखें, और अपने सिर को झुका ले। किसी के ऊपर हाथ रखें, और अपने सिर को झुका ले। मुझे यह करने की अगुवाई का अनुभव होता है। मैं यह अनुभव करता हूं कि यह आपकी चंगाई का समय है। "यदि आप विश्वास कर सके!"

287 ओह, पवित्र आत्मा श्रोतागणों पर मंडरा रहा है! वह व्यक्ति वहां जॉर्जिया से, उस वहां बैठे हुए भाई के लिए प्रार्थना कर रहा है; विश्वास रखें और भरोसा करें। ओह, यह चारो ओर है, हर तरफ है।

288 अब, क्या आप अपने लिए प्रार्थना नहीं करेंगे। आप उस व्यक्ति के लिए प्रार्थना करें जिसके ऊपर आपने हाथ रखा हुआ है। इससे आप सब एक दूसरे के लिए प्रार्थना करेंगे।

289 अब, प्रभु यीशु परमेश्वर का पुत्र, जो मृतकों में से जी उठा, यहां तक की पिलातुस और रोमी सरकार की धमकियां और मोहर उसे कब्र में ना रोक सकी। परमेश्वर सर्वशक्तिमान ईस्टर के दिन नीचे उतर आया, और पत्थर को पीछे लुढकाया, मोहर को तोड़ा। और तू जीवित हो उठा और चालीस दिनों तक, अपने चेलों के साथ रहा उन्हें समस्त संसार में जाने का प्राधिकार दिया और उन चीजों को करो जो अब हो रही है। जो कि दो हजार वर्षों पहले हुई थी।

290 प्रभु, तू परमेश्वर है। आप असफल नहीं हो सकते। आप यहां पर है। आज की प्रातः यह परामर्श सभा जो हमारी हुई, हमने इन बातों के विषय में आपस में वाद विवाद किया। हमने विवाद किया कि आप परमेश्वर है; विवाद किया, यह विवाद कि आप परमेश्वर है, और यह तर्क कि आप यहां है।

291 और अब यह प्राधिकार आप से हमें मिला है कि आप दूसरे पर अपने हाथ रखे। यही है जो आपने हमें करने का प्राधिकार दिया है। आपने कहा, "जो विश्वास करेंगे उनके चिन्ह यह होंगे। यदि वे अपने हाथों को बीमारों पर रखें रख देंगे, तो वे चंगे हो जायेंगे।" यही सम्मेलन से यह हमारा प्राधिकार है। अब, प्रभु, "आज्ञाकारिता बलिदान से अच्छा है; ध्यान से सुनना, बजाये मेढ़ो की चर्बी से।"

292 अब, प्रभु, आपका दास होने के समान, मेरा प्राधिकार, और हर शैतान, हर आत्मा, हर बीमारी, हर वेदना, हर विरोधी बात, जो इन लोगों को परेशान कर रही है। आज्ञा देता हूं परमेश्वर की उपस्थिति में, पवित्र आत्मा की गवाही के द्वारा, उस स्वर्गदूत के प्राधिकार जिसने मुझे भेजा, मैं इस आत्मा को परमेश्वर के वचन के द्वारा चुनौती देता हूं।

293 बीमारी और वेदना की आत्मा लोगों में से, प्रभु यीशु मसीह के नाम के द्वारा बाहर निकल आये, और उन्हें स्वस्थ होने दे। उन्हें जाने दे। शैतान, तू केवल एक धोखा है। हमने तुझे चुनौती दी है। वह समय आ गया है, जब यीशु मसीह ने स्वयं को अन्य जातियों की उपस्थिति में प्रकट किया है। अब, शैतान, तू हारा हुआ है। एक समय तूने लोगों को पकड़ रखा था। अब तेरे पास कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। यीशु मसीह ने तेरा हर अधिकार जो तेरे पास था कलवरी पर छीन लिया। उसने पूरा दाम चुका कर, और कहा, "यह पूरा हुआ।" उद्धार की हर पूरी योजना, सारी चंगाई, सब कलवरी पर पूरा हो गया। और आप, अपने आप से ले लिये गये हो पाप के और गिरावट में होते हुए, जो एक समय तुम्हारे पास था। अब हम यीशु मसीह के लहू के द्वारा छुड़ा लिए गए है। और तू अब और हमें पकड़े हुए नहीं रह सकता। हम कहते हैं, "हमें प्रभु यीशु मसीह के नाम में छोड़ दे।"

294 अब अपने हाथ एक दूसरे पर रखें। प्रार्थना करते रहें। अपने हाथ रखे... प्रार्थना करते रहे। अपने आप में से प्रत्येक यह सोच रहा है, "परमेश्वर समीप है। परमेश्वर का आत्मा यहां पर है। परमेश्वर मुझे चंगा कर रहा है। उसकी भलाई, उसकी करुणा, उसकी दया, उसकी प्रतिज्ञा मुझ में वास्तविक बन गयी है।"

हम सप्ताह दर सप्ताह प्रचार करते रह सकते है। अब इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता, पवित्र आत्मा यहां पर है। यह केवल यही कर सकता है, ठीक

यही रहिये।

"इस समय, मैं विश्वास करता हूं मुझ पर प्रकट करता है, मुझ पर सिद्ध कर रहा है कि परमेश्वर यहां पर है। मैं उसका विश्वास करता हूं। यह पूर्ण किया गया कार्य है। यह मेरे पास है। यह मेरी धरोहर है। अब मैं पवित्र आत्मा से भर रहा हूं। मेरे रोग, मेरे दर्द और मेरी पीड़ाये मुझे छोड़ रही है। मेरी सारी वेदनाये मुझ से दूर जा रही है।" प्रार्थना करने की यही विधी है, अपनी झुके हुए सिरों के साथ, बंद आखें। (*ओनली बिलीव*, अब।)

295 अपने झुके हुये सिरो के साथ। अब हम धीरे–धीरे इसे गायेंगे।

ओनली बिलीव...

296 पहाड़ पर से उतरते हुये... एक मिर्गी वाला बच्चा... चेले वहां पर थे, पिता से परामर्श कर रहे थे। बालक का पिता यीशु की ओर दौड़ा, और कहा, "प्रभु, मेरे बच्चे की मदद करे।" उसने बोला, "मैं कर सकता हूँ, यदि तुम विश्वास करो।" "मैं कर सकता हूँ, यदि तुम विश्वास करोगे।" वह अब यही कह रहा है: "मैं यहाँ हूं। मैं अभी महिमा से नीचे आया हूं। मैं यहाँ हूँ, मैं तुम्हारे बीच में हूँ। मैं तुम्हारे साथ वार्तालाप कर रहा हूं। मैंने पास्टर का अभिषेक किया है। मैं यहाँ हूं। मैं कर सकता हूँ, यदि तुम विश्वास करते हो।"

क्योंकि सब कुछ संभव है, केवल विश्वास करो;
केवल विश्वास करो, केवल...

परमेश्वर के साथ परामर्श करना HIN59-1220M

(Conference With God)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 20 दिसंबर, 1959 को ब्रंहम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2022 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org